▪ RNI No. : TNHIN/2013/5252 ▪ वर्ष - 13 ▪ अंक - 172 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » शनिवार » 17-01-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

।। श्री गणेशाय नमः ।।

तमिलनाडु प्रांत की धर्मनगरी

SHRI BAGESHWAR DHAM MANDAL CHENNAI

चेन्नई में पहली बार

भक्त चरित्र कथा

* कथा वाचक *

पू. श्री इन्द्रेशजी उपाध्याय

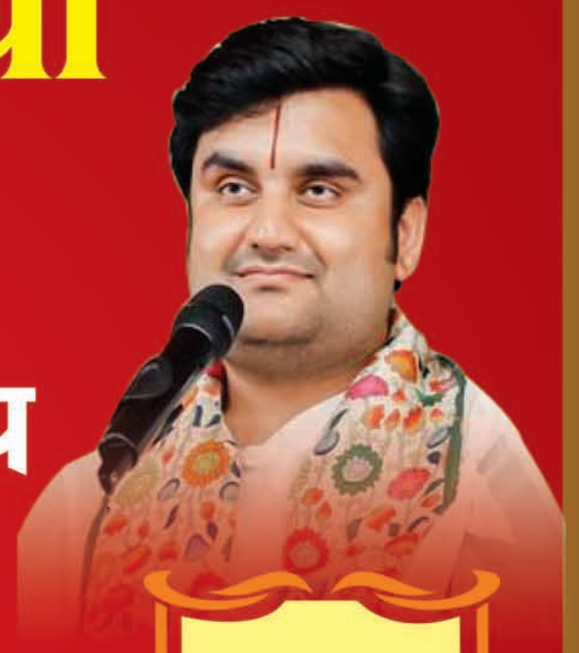

17 से 19 जनवरी 2026

* आयोजक *

बागेश्वर धाम मंडल, चेन्नई

कथा सायं 3.00 बजे से

* मुख्य सहयोगी *

श्री श्याम सत्संग ट्रस्ट, चेन्नई

VENUE

S P R CITY

THE BHANDHARI PALACE

#1, COOK ROAD, PERAMBUR, CHENNAI - 600 012

SCAN ME

Live on YouTube @Bhaktipath

* अधिक जानकारी हेतु सम्पर्क करें *

गौरव शर्मा : 99961 99966

महेन्द्र रावल : 95662 51907

रतन केशरवानी 95000 00424

SPR CITY
A PROJECT WITH BINNY LTD.

MOI
MARKET OF INDIA
INDIA'S GLOBAL MARKET

नोट : कथा के उपरांत महाप्रसादी का आयोजन रखा गया है।

FREE ENTRY FOR ALL

साध्वीश्री संयमलता का मंगल भावना कार्यक्रम आयोजित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। साध्वीश्री संयमलताजी के सान्निध्य में सप्त दिवसीय जीवनहल्ली प्रवास के दौरान मंगल भावना कार्यक्रम का आयोजन किया गया। साध्वी संयमलताजी ने कहा कि साधु-संत का आगमन जीवन को हरा-भरा बनाने वाला होता है । कर्मों को हल्का करने का अवसर मिलता है। जीवन व धर्मसंघ के संस्कारों, परम्पराओं एवं सिद्धान्तों को समझने का मौका मिलता है।जीवनहल्ली में अनायास ही सप्तदीवसीय प्रवास में 24 तीर्थकर की जीवनी एवं 12, व्रतों आदि की कार्यशाला हमारे लिए विशेष लाभकारी रही।

साध्वी मार्दवश्रीजी ने कहा कि श्रावक-श्राविकाओं ने अवसर का अच्छा लाभ उठाकर दोनों समय प्रवचन एवं दोपहर में धर्मचर्चा कर अपने ज्ञान को बढाया। ऐसे ही श्रावकों में सेवा संस्कार बढ़ते रहें, यही कामना। जितेश मुथा ने कहा कि साध्वियों का यह प्रवास बहुत ही प्रेरणास्पद व ज्ञानवर्धक था, उन्होंने साध्वियों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की। अशोक कोठारी ने कहा कि ऐसा प्रवास पहली बार जीवनहल्ली में हुआ जो बच्चों में भी जागृति का संदेश लाया है, अनेक प्रतियोगिताओ से ज्ञानवर्धन हुआ। महावीर मुथा ने सभी को धन्यवाद दिया।

छात्रा पूर्वी ने नेशनल पूमसे चैंपियनशिप में जीता कांस्य पदक

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। आदर्श ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स द्वारा संचालित मनवरतपेट स्थित आदर्श स्कूल की कक्षा छठी में अध्ययनरत छात्रा पूर्वी ने नई दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में आयोजित सब-जूनियर गर्ल्स नेशनल पूमसे चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता। ज्ञातव्य है कि पूर्वी की मां वसंती परिहार आदर्श स्कूल में ही शिक्षिका हैं। पूर्वी की इस उपलब्धि पर न सिर्फ आदर्श इंस्टीट्यूशन्स को गर्व है बल्कि इस उपलब्धि पर इंस्टीट्यूशन के पदाधिकारियों एवं शिक्षकगण ने बधाई दी है। यह जानकारी स्कूल की प्राचार्या डॉ. प्रज्ञा यादव ने दी।

जम्मू-कश्मीर के कठुआ में आतंकवादियों के तीन ठिकानों का भंडाफोड़

जम्मू/भाषा। जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में सुरक्षा बलों ने आतंकवादियों के तीन ठिकानों का भंडाफोड़ किया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी है। बिलवार में आतंकवाद-रोधी अभियानों के तहत इन ठिकानों का भंडाफोड़ किया गया और इस दौरान आतंकवादियों के साथ दो मुठभेड़ें हुईं, हालांकि वे (आतंकवादी) अंधेरे का फायदा उठाकर भागने में कामयाब रहे। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि बिलवार के कमाद नाला, कालाबन और धनु पारोल के वन क्षेत्रों में राष्ट्रविरोधी तत्वों की गतिविधियों के संबंध में विश्वसनीय खुफिया जानकारी के आधार पर, सुरक्षा बलों की संयुक्त टीमों ने आतंकवादियों के खात्मे के लिए एक व्यापक तलाशी अभियान शुरू किया। उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान आतंकवादियों ने सुरक्षा बलों पर अंधाधुंध गोलीबारी की, जिसके परिणामस्वरूप सुरक्षाकर्मियों ने भी जवाबी गोलीबारी की और यह सिलसिला रात भर जारी रहा। पुलिस ने बताया कि बुधवार को किए गए तलाशी अभियान के दौरान एक आतंकवादी ठिकाना मिला, जहां से एम-4 के दो खाली कारतूस, देसी घी से भरा एक प्लास्टिक का डिब्बा, बादाम का पॉलीथीन पैकेट, दस्ताने, एक टोपी, कंबल, तिरपाल की चादर, एक छोटा पाउच और एक पॉलीथीन बैग बरामद किए गए। उन्होंने बताया कि बृहस्पतिवार को जारी तलाशी अभियान के दौरान, बिलवार के कालीखाद और कालाबन क्षेत्रों में संयुक्त टीमों द्वारा दो और आतंकवादी ठिकानों का भंडाफोड़ किया गया।

गुवाहाटी में शुक्रवार को बागुरुम्बा पारंपरिक कपड़ों में डांसर, बोडो समुदाय के 'बटरफ्लाई डांस' के अब तक के सबसे बड़े परफॉर्मेंस के लिए गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने की कोशिश के लिए सरुसजाई स्टेडियम में रिहर्सल करते हुए।

गणतंत्र दिवस परेड में वंदे मातरम के 150 साल का मनाया जाएगा जश्न, नदियों के नाम पर होंगी दीर्घाएं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। इस साल गणतंत्र दिवस परेड में राष्ट्र गीत 'वंदे मातरम' के 150 साल पूरे होने का जश्न मनाया जाएगा। रक्षा मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि परेड के लिए कर्तव्य पथ पर बनाई गई दीर्घाओं का नाम नदियों के नाम पर रखा जाएगा और इनमें पुराने चित्र लगाए जाएंगे, जिन पर राष्ट्रीय गीत की शुरुआती पंक्तियां अंकित होंगी। उन्होंने बताया कि मुख्य मंच पर फूलों से बनाई गई कलाकृतियों के जरिये 'वंदे मातरम' के रचयिता बंकिम चंद्र चटर्जी को श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी। अधिकारियों के मुताबिक, परेड स्थल पर बनाई गई दीर्घाओं को इंगित करने के लिए इस बार पारंपरिक रूप से इस्तेमाल किए जाने वाले 'वीवीआईपी' सहित अन्य शब्दों का प्रयोग नहीं किया जाएगा, बल्कि इनका नाम भारतीय नदियों के नाम पर रखा जाएगा।

रक्षा सचिव आर.के. सिंह ने 'साउथ ब्लॉक' में आयोजित एक प्रेस वार्ता में 77वें गणतंत्र दिवस समारोह के जश्न की व्यापक रूपरेखा साझा की, जिसमें इस बार कई चीजें पहली बार देखने को मिलेंगी। अधिकारियों के अनुसार, इस बार गणतंत्र दिवस समारोह की थीम 'वंदे मातरम के 150 साल' रखी गई है और परेड में इसका जश्न मनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि निमंत्रण कार्ड पर राष्ट्र गीत की 150वीं वर्षगांठ का लोगो होगा और परेड के अंत में 'वंदे मातरम' की थीम वाले बैनर के साथ गुब्बारे हवा में छोड़े जाएंगे।

अधिकारियों ने बताया कि इसके अलावा, 19 से 26 जनवरी तक 120 से अधिक शहरों में लगभग 235 जगहों पर सेना और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) की ओर से 'वंदे मातरम' की थीम पर आधारित बैंड प्रस्तुतियां दी जाएंगी। उन्होंने बताया कि दिल्ली में कर्तव्य पथ पर बनाई गई दीर्घाओं में तेजेंद्र कुमार मित्रा के बनाए चित्र लगाए जाएंगे, जिन पर 'वंदे मातरम' की शुरुआती पंक्तियां लिखी होंगीं।

संस्कृति मंत्रालय के अनुसार, ये चित्र 1923 में प्रकाशित किए गए थे।

कर्नाटक को 11 महीनों में 4.71 लाख करोड़ रुपये का निवेश मिला : मंत्री पाटिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मध्यम एवं बड़े उद्योग मंत्री एम बी पाटिल ने शुक्रवार को कहा कि राज्य ने फरवरी 2025 में आयोजित अपने वैश्विक निवेशक सम्मेलन के 11 महीने के भीतर 4.71 लाख करोड़ रुपये का निवेश हासिल कर लिया है। यह निवेशक सम्मेलन में हासिल की गई 10.27 लाख करोड़ रुपये की प्रतिबद्धताओं का 46 प्रतिशत है। दावोस में विश्व आर्थिक मंच में अपनी भागीदारी से पहले पाटिल ने कहा कि त्वरित मंजूरी एवं पूरी तरह से डिजिटल एकल-खिड़की प्रणाली के कारण राज्य में निवेश प्रतिबद्धताओं को जमीनी परियोजनाओं में तेजी से परिवर्तित किया गया है। पाटिल 19 से 23 जनवरी तक दावोस में रहेंगे।

उन्होंने बताया कि विनिर्माण क्षेत्र में निवेश के लिए किए गए 5.66 लाख करोड़ रुपये की प्रतिबद्धताओं में से 3.22 लाख करोड़ रुपये का निवेश पहले ही मिल चुका है जो 58 प्रतिशत की सफलता दर दर्शाता है। नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में 4.25 लाख करोड़ रुपये की प्रतिबद्धताओं के मुकाबले 1.41 लाख करोड़ रुपये का निवेश हो चुका है जबकि अवसंरचना विकास क्षेत्र में 45,000 करोड़ रुपये की प्रतिबद्धताओं में से 8,500 करोड़ रुपये का निवेश मिला है।

पाटिल ने कहा कि राज्य, 30 से अधिक विभागों में 150 से अधिक सेवाओं को एकीकृत करने वाले एक डिजिटल एकल-खिड़की मंच के माध्यम से भूमि आवंटन, वैधानिक अनुमोदन एवं आवेदन प्रसंस्करण को सुव्यवस्थित करके समझौता ज्ञापन के चरण से आगे बढ़ गया है।

मंत्री ने कहा, हम केवल समझौता ज्ञापन के चरण तक ही नहीं रुके हैं। निवेश प्रस्ताव जमा होने के बाद, आवेदन प्रक्रिया, भूमि आवंटन, वैधानिक मंजूरी और अनुमोदन जैसी प्रक्रियाओं को पूरी तरह से डिजिटल एकल-खिड़की प्रणाली के माध्यम से सुगम बनाया जा रहा है। इस व्यवस्था के तहत 30 से अधिक विभागों की 150 से अधिक सेवाओं को एकीकृत किया गया है।

उन्होंने कहा, इसके परिणामस्वरूप, विनिर्माण, सेमीकंडक्टर और खाद्य प्रसंस्करण जैसे क्षेत्रों में निवेश का निरंतर प्रवाह देखा जा रहा है। मंत्री ने साथ ही बताया कि करीब 50 प्रतिशत निवेश प्रस्ताव और लगभग 60 प्रतिशत विनिर्माण प्रस्ताव कर्नाटक उद्योग मित्र के माध्यम से प्रस्तुत किए गए हैं।

रस्म

प्रयागराज में 'माघ मेला 2026' में 'पट्टा अभिषेक' रस्म के दौरान किन्नर अखाड़ा आचार्य महामंडलेश्वर लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी।

राज्य हित में प्रधानमंत्री मोदी से जितनी बार मिलना पड़े मिलूंगा : तेलंगाना मुख्यमंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने शुक्रवार को कहा कि राज्य की बेहतरी के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से जितनी बार भी मिलना पड़े वो मिलेंगे। निर्मल जिले में एक सार्वजनिक बैठक को संबोधित करते हुए रेड्डी ने कहा कि वे प्रधानमंत्री से आदिलाबाद जिले के लिए हवाई अड्डा मंजूर करने का अनुरोध करेंगे ताकि संपर्क सुविधाओं में सुधार हो सके। उन्होंने कहा, कई लोग मुझसे पूछते हैं कि मैं नरेन्द्र मोदी से अक्सर क्यों मिलता हूं। वे मेरे रिश्तेदार नहीं हैं, और हमारा कोई व्यक्तिगत संबंध नहीं है, लेकिन वे देश के प्रधानमंत्री हैं। हवाई अड्डा केवल प्रधानमंत्री की मंजूरी से ही बन सकता है। बड़ी उद्योग संस्थाएं आएंगी और धन आवंटित होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा, राज्य के विकास के लिए किसी से भी मिलने में मैं एक क्षण के लिए भी हिचकिचाऊंगा नहीं। मैं उनसे सिफारिशों के लिए नहीं मिलता। मेरा कोई व्यक्तिगत एजेंडा नहीं है।

रेड्डी ने कहा कि राज्य सरकार गोदावरी नदी पर तुम्मदिहट्टी में एक सिंचाई परियोजना का निर्माण करने की योजना भी बना रही है और इस परियोजना के लिए पड़ोसी महाराष्ट्र के सहयोग की आवश्यकता होगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के समर्थन से महाराष्ट्र प्रस्तावित परियोजना के लिए आवश्यक मंजूरी प्रदान करेगा।

विपक्षी बीआरएस पर निशाना साधते हुए रेड्डी ने आरोप लगाया कि पार्टी ने अपने 10 साल के शासनकाल के दौरान तेलंगाना के लिए कुछ नहीं किया। उन्होंने बीआरएस अध्यक्ष के. चंद्रशेखर राव को सलाह दी कि यदि वे राज्य सरकार को रचनात्मक सलाह नहीं दे सकते हैं तो उन्हें गुमराह करने वाले बयान देने से बचना चाहिए।

रेड्डी ने मतदाताओं से आगामी नगरपालिका चुनावों में सक्षम उम्मीदवारों को चुनने की अपील भी की, जो सरकार के साथ मिलकर काम कर सकें। उन्होंने दोहराया कि तेलंगाना में कांग्रेस 2034 तक सत्ता में बनी रहेगी।

अन्तर्राष्ट्रीय वैश्य फेडरेशन द्वारा 'कर सुधारों' पर भेजे सुझाव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अन्तर्राष्ट्रीय वैश्य फेडरेशन बेंगलूरु चैप्टर की ओर से कर सुधारों और एमएसएमई उद्योग प्रोत्साहन के लिए केन्द्र एवं राज्य सरकार के वित्त विभाग को कर सुधारों के प्रस्ताव भेजे गए। अध्यक्ष ललित डाकलिया ने बताया कि संस्था उद्यमियों, पेशेवरों और विचारकों के एक जीवंत समुदाय का प्रतिनिधित्व करती है जो भारत की आर्थिक प्रगति के लिए समर्पित है।

महामंत्री प्रशांत सिंघी ने कहा कि व्यवसायी वर्ग से प्राप्त सुझावों को उनके हितों की रक्षा हेतु एक दस्तावेज के रूप में केन्द्र एवं राज्य सरकार के वित्त मंत्रालयों को भेजे गए हैं।चेयरमैन बाबूभाई मेहता ने कहा कि हमें विश्वास है कि ये सुधार राष्ट्र की समृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। सम्पूर्ण टैक्स सुझाव कार्यक्रम के संयोजक रूपचंद कुमट, ललित धारीवाल ने विभिन्न व्यापारियों से सलाह मशिवरा कर इन सुझावों को तैयार किया है। इस टैक्स सुधार सुझाव कार्यक्रम में विषय विशेषज्ञ के रूप में नीरज बंसल ने भी अपनी सेवाएं प्रदान की।

निकाय चुनाव में जनता ने महायुति को मत दिया क्योंकि वह विकास और ईमानदारी चाहती है : फडणवीस

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शुक्रवार को कहा कि राज्य में बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) सहित 29 महानगरपालिकाओं के चुनावों में लोगों ने भाजपा नीत 'महायुति' को वोट दिया क्योंकि वे ईमानदारी और विकास चाहते हैं।

फडणवीस ने महाराष्ट्र निकाय चुनाव में जीत का जश्न मनाने के लिए आयोजित रैली को संबोधित करते हुए कहा कि 'महायुति' बीएमसी सहित 29 महानगरपालिकाओं में से 25 में सत्ता हासिल करने की ओर अग्रसर है। महाराष्ट्र के 29 महानगरपालिकाओं के लिए बृहस्पतिवार को मतदान कराया गया और परिणाम शुक्रवार को घोषित किए जा रहे हैं।

अब तक आए रुझानों के मुताबिक भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पुणे, पिंपरी चिंचवड, नासिक, छत्रपति संभाजीनगर और नागपुर सहित कई शहरों में शानदार प्रदर्शन किया है, जबकि वह एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के साथ गठबंधन में बीएमसी पर उद्धव ठाकरे नीत पार्टी के वर्चस्व को समाप्त करने की ओर अग्रसर है। फडणवीस ने कहा, भाजपा ने विकास का एजेंडा पेश किया। हमने इसे जनता के सामने रखा और उन्होंने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। हमें कई महानगरपालिकाओं में रिकॉर्ड तोड़ जनादेश मिला है और यह इस बात को रेखांकित करता है कि लोग ईमानदारी और विकास चाहते हैं। इसीलिए लोगों ने भाजपा को वोट दिया। उन्होंने कहा कि 'महायुति' ने महानगरपालिका चुनावों में सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। फडणवीस ने कहा, यह फैसला प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन द्वारा अपनाई गई नीतियों में महाराष्ट्र की जनता के भरोसे को दर्शाता है। मुख्यमंत्री ने इस जीत के जश्न के बीच शिवसेना के संस्थापक बाल ठाकरे को भी याद किया। उन्होंने कहा, बालासाहेब ठाकरे के आशीर्वाद से महायुति को जीत हासिल करने में मदद मिली।

पंजाब में आप सरकार मीडिया की आवाज दबा रही; इसकी उलटी गिनती शुरू हो गई है: भाजपा सांसद स्वराज

नई दिल्ली/भाषा। भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज ने एक समाचार पत्र समूह के उस दावे को लेकर पंजाब सरकार की शुक्रवार को आलोचना की, जिसमें कहा गया था कि आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के बारे में एक खबर प्रकाशित करने के बाद छापेमारी के जरिये उसे निशाना बनाया जा रहा है।

भाजपा मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, स्वराज ने आम आदमी पार्टी नीत पंजाब सरकार पर मीडिया की आवाज दबाने की कोशिश करने का आरोप लगाया और कहा कि उसके गिने-चुने दिन रह गए हैं।

जल्लीकट्टू

तमिलनाडु के पोंगल फसल उत्सव के जश्न के बीच मट्टू पोंगल पर होने वाले पारंपरिक सांडों को काबू करने वाले खेल जल्लीकट्टू के दौरान प्रतिभागी एक सांड को काबू करने की कोशिश करते हुए।

भारत-यूरोपीय संघ के बीच एफटीए 'सबसे महत्वपूर्ण समझौता' साबित होगा : गोयल

नई दिल्ली/भाषा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को कहा कि भारत और 27 देशों के समूह यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) 'सबसे महत्वपूर्ण समझौता' साबित होगा।

इसके साथ ही गोयल ने कहा कि यह समझौता भारत और यूरोपीय संघ दोनों के लिए अच्छा और पारस्परिक रूप से लाभकारी साबित होगा। उन्होंने भारत-ईयू एफटीए के बारे में यहां संवाददाताओं से कहा, यह व्यापार समझौते में सबसे महत्वपूर्ण समझौता होगा। वाणिज्य मंत्री ने कहा कि दोनों पक्षों के बीच वस्तुओं और सेवाओं का द्विपक्षीय व्यापार काफी हद तक संतुलित है। उन्होंने कहा कि भारतीय निर्यात क्षेत्रों के लिए भी यह एक 'सुपर' समझौता होगा। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने बृहस्पतिवार को कहा था कि भारत और यूरोपीय संघ प्रस्तावित एफटीए पर बातचीत पूरी करने के 'बेहद करीब' हैं।

अग्रवाल ने कहा था कि शेष मुद्दों को सुलझाने के लिए चर्चा जारी है ताकि इस महीने के अंत में यूरोपीय संघ के शीर्ष नेतृत्व की यात्रा के दौरान इस समझौते की घोषणा की जा सके।

वर्ष 2014 से अब तक सात देशों एवं समूहों के साथ व्यापार समझौतों को अंतिम रूप दिया जा चुका है।

जश्न

महाराष्ट्र के नवी मुंबई के कोपर खैराने में, नवी मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन चुनाव में पार्टी कैंडिडेट की जीत का जश्न मनाते भाजपा कार्यकर्ता।

▪ RNI No. : TNHIN/2013/5252 ▪ वर्ष - 13 ▪ अंक - 172 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » शनिवार » 17-01-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 ममता बनर्जी अपराधियों को बचा रही हैं, राजनीतिक करियर के अंत के कगार पर

6 क्या ममता पर होगी बड़ी कार्रवाई?

7 किसी को बुरा दिखाकर अच्छा नहीं बन सकते : सोनल चौहान

फर्स्ट टेक

रुपया 44 पैसे टूटकर 90.78 प्रति डॉलर पर बंद

मुंबई/भाषा। रुपए में शुक्रवार को लगातार तीसरे दिन गिरावट आई और यह 44 पैसे टूटकर 90.78 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। डॉलर की भारी मांग तथा विदेशी संस्थागत निवेशकों की बाजार से पूंजी निकासी से रुपए पर दबाव बढ़ा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि अमेरिका-भारत व्यापार वार्ता और भू-राजनीतिक तनाव को लेकर बनी चिंता ने निवेशकों की कारोबारी धारणा को और प्रभावित किया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 90.37 प्रति डॉलर पर खुला। कारोबार के दौरान 90.89 प्रति डॉलर के निचले स्तर पर पहुंच गया। अंत में यह डॉलर के मुकाबले 90.78 पर बंद हुआ जो बुधवार को बंद भाव से 44 पैसे की गिरावट है।

नए भाजपा अध्यक्ष के नाम की घोषणा 20 को

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शुक्रवार को पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव का कार्यक्रम जारी करते हुए कहा कि इस पद के लिए नामांकन 19 जनवरी को दाखिल किए जाएंगे और अगले दिन नए पार्टी अध्यक्ष के नाम की घोषणा की जाएगी। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, भाजपा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नवीन के निर्विरोध पार्टी अध्यक्ष चुने जाने की संभावना है, क्योंकि इस बात की उम्मीद कम ही है कि कोई और नेता इस मुकाबले में शामिल नहीं होगा। भाजपा के राष्ट्रीय निर्वाचन अधिकारी के. लक्ष्मण द्वारा जारी संगठन चुनाव कार्यक्रम के अनुसार, पार्टी अध्यक्ष के चुनाव के लिए नामांकन 19 जनवरी को दोपहर 2 बजे से शाम 4 बजे के बीच दाखिल किया जा सकेगा और उम्मीदवार उसी दिन शाम 5 बजे से शाम 6 बजे के बीच नामांकन वापस ले सकेंगे। उम्मीदवारों के नामांकन पत्र की छानबीन 19 जनवरी को शाम 4 बजे से शाम 5 बजे के बीच की जाएगी।

दक्षिण कोरिया के पूर्व राष्ट्रपति यून को पांच साल कैद की सजा

सियोल/एपी। दक्षिण कोरिया की एक अदालत ने शुक्रवार को पूर्व राष्ट्रपति यून सुक योल को पांच साल कैद की सजा सुनाई। यह फैसला उनके द्वारा 'मार्शल लॉ' लगाए जाने और अन्य आरोपों को लेकर उनके खिलाफ आठ आपराधिक मुकदमों में पहला निर्णय है। संबंधित आरोपों के कारण उन्हें पद से हटना पड़ा था। दिसंबर 2024 में थोड़े समय के लिए 'मार्शल लॉ' लागू किए जाने के बाद व्यापक विरोध भड़क उठा, जिसमें लोगों ने उनके इस्तीफे की मांग की। इसके बाद यून सुक योल पर महाभियोग लगाया गया, उन्हें गिरफ्तार किया गया और राष्ट्रपति पद से हटा दिया गया।

17-01-2026 सूर्यास्त 6:02 बजे | 18-01-2026 सूर्योदय 6:35 बजे

BSE	NSE
83,570.35 (+187.64)	25,694.35 (+28.75)

सोना	चांदी
14,766 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	306,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

महानगरीय चक्रव्यूह

दिल्ली में आकाश विषैला,
चेन्नई में तूफान है।
मुंबई भी बेचैन हो रही,
बेंगलूरु हैरान है।
कलकत्ता में उठापटक है,
बाकी सब हलकान है।
महानगरों के चक्रव्यूह में,
फँसी देश की जान है।।

कर्नाटक स्पोर्ट्स क्लस्टर

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या (बाएं) शुक्रवार को तुमकुरु में आयोजित 'कर्नाटक स्पोर्ट्स क्लस्टर 2025-26' के उद्घाटन समारोह के दौरान।

अब वैश्विक नेतृत्व पर ध्यान केंद्रित करें भारतीय स्टार्टअप : प्रधानमंत्री मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को भारतीय स्टार्टअप से विनिर्माण, गहन प्रौद्योगिकी और वैश्विक नेतृत्व पर अधिक ध्यान देने का आह्वान करते हुए कहा कि 'स्टार्टअप इंडिया' का अगला दशक भारत को नवाचार के वैश्विक अग्रणी देशों की पंक्ति में खड़ा करने वाला होना चाहिए।

प्रधानमंत्री मोदी ने 'स्टार्टअप इंडिया' पहल की 10वीं वर्षगांठ पर 'भारत मंडपम' में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि स्टार्टअप भारत के आर्थिक और प्रौद्योगिकी भविष्य को आकार देने में अहम भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने 'स्टार्टअप इंडिया' पहल को एक क्रांति करार देते हुए कहा कि 2014 में जहां देश में 500 से भी कम स्टार्टअप थे, वहीं आज यह संख्या दो लाख से अधिक हो चुकी है। इनमें से करीब 125 स्टार्टअप एक अरब डॉलर या उससे अधिक मूल्यांकन के साथ 'यूनिकॉर्न' दर्जा हासिल कर चुके हैं।

मोदी ने कहा कि इसके साथ ही भारत विश्व का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप परिवेश बन गया है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि जोखिम लेने की प्रवृत्ति को पहले हतोत्साहित किया जाता था लेकिन अब वह मुख्यधारा में आ गई है और स्टार्टअप रोजगार सृजन, नवाचार और वैश्विक प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा दे रहे हैं। उन्होंने स्टार्टअप संस्थापकों एवं उद्यमियों से कहा, सरकार आपके हर प्रयास में आपके साथ है। मुझे आपकी क्षमता पर पूरा भरोसा है। आपका साहस, आत्मविश्वास और नवाचार भारत के भविष्य को आकार दे रहे हैं।

मोदी ने कहा कि पिछले 10 वर्षों ने भारत की उद्यमशील क्षमताओं को साबित किया है और अब लक्ष्य यह होना चाहिए कि अगले दशक में भारत नए स्टार्टअप रुझानों और प्रौद्योगिकियों में विश्व का नेतृत्व करे।

हिंदू समाज पारंपरिक रूप से समावेशी और स्वीकार करने वाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

छत्रपति संभाजीनगर /भाषा। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने शुक्रवार को कहा कि भारत में कुछ भी अच्छा या बुरा होने पर हिंदुओं से इसके बारे में पूछा जाएगा, क्योंकि भारत ''केवल एक भौगोलिक क्षेत्र का नाम नहीं है, बल्कि देश का चरित्र है''।

भागवत ने यहां एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि हिंदू समाज पारंपरिक रूप से समावेशी और स्वीकार करने वाला है, जो रीति-रिवाजों, पहनावे, खान-पान की आदतों, भाषा, जाति और उपजाति में विविधता को समायोजित करता है, और ऐसे मतभेदों को संघर्ष का कारण नहीं बनने देता है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख ने कहा, ''भारत में चाहे कुछ अच्छा हो या बुरा, हिंदुओं से ही इसके बारे में पूछा जाएगा। यह सिर्फ एक भौगोलिक क्षेत्र का नाम नहीं है, बल्कि देश का चरित्र है।'' उन्होंने कहा कि जो लोग आत्मसात करने और सामंजस्यपूर्ण सह-अस्तित्व में विश्वास रखते हैं, वे हिंदू समाज के सच्चे चरित्र का प्रतिनिधित्व करते हैं और विस्तार से कहें तो, देश के चरित्र का भी।

भागवत ने कहा, ''यह परंपरा सदियों से आक्रमणों और विनाश के बावजूद संरक्षित रही है, और लोगों ने यह सुनिश्चित किया है कि इसके मूल मूल्य एवं धर्म नष्ट न हों। ऐसे लोगों को हिंदू कहा जाता है, और ऐसे लोगों की भूमि को भारत के नाम से जाना जाता है।'' उन्होंने कहा कि यदि लोग अच्छे, दृढ़ और ईमानदार बनने का प्रयास करेंगे, तो देश भी वैश्विक मंच पर उन गुणों को प्रतिबिंबित करेगा।

आरएसएस प्रमुख ने इस बात पर जोर दिया कि दुनिया भारत से कुछ उम्मीदें रखती है और देश पर्याप्त शक्ति एवं प्रभाव होने पर सार्थक योगदान देने में सक्षम होगा।

कुमारस्वामी ने प्रियंक खरगे पर निशाना साधा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। केंद्रीय मंत्री एच डी कुमारस्वामी ने शुक्रवार को कर्नाटक के मंत्री प्रियंक खरगे पर निशाना साधा और उनसे कहा कि वह दूसरों पर टिप्पणी करने के बजाय अपनी पार्टी की स्थिति पर ध्यान दें। जनता दल-सेक्युलर (जद-एस) की प्रासंगिकता पर सवाल उठाने वाली खरगे की टिप्पणियों का जवाब देते हुए कुमारस्वामी ने कहा कि कांग्रेस को उनकी पार्टी को ''प्रमाणपत्र जारी करने'' का कोई अधिकार नहीं है और दावा किया कि कांग्रेस के अहंकार की उसे भारी कीमत चुकानी पड़ी है।

कुमारस्वामी ने कहा, ''जद (एस) की बात करने से पहले, बिहार और महाराष्ट्र में अपनी तथाकथित राष्ट्रीय पार्टी की हालत पर एक नजर डालिए।''

केंद्रीय मंत्री ने कहा, प्रियंक खरगे कौन होते हैं जद (एस) पर चर्चा करने वाले? हमें उनके प्रमाणपत्र की जरूरत नहीं है। पहले वह अपने पिता से पूछें कि कांग्रेस में कितने मंत्री जद (एस) से हैं? मुख्यमंत्री से लेकर निचले क्रम तक, क्या आप जानते हैं कि कितने लोग मूल रूप से जद (एस) से हैं?''

उनका इशारा मुख्यमंत्री सिद्धरमैया की ओर था, जो पहले जद (एस) में थे। कुमारस्वामी ने दावा किया कि अहंकार ने कांग्रेस को भारी नुकसान पहुंचाया है और उन्होंने प्रियंक खरगे से अन्य पार्टियों के बारे में राजनीतिक टिप्पणी करने के बजाय विकास पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया।

एक हज़ार साल में 16 आक्रमणों के बावजूद शाश्वत

सनातन धर्म का प्रतीक है सोमनाथ मंदिर : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि गुजरात का सोमनाथ मंदिर गत एक हजार साल में 16 आक्रमणों के बावजूद शाश्वत 'सनातन धर्म' के प्रतीक के रूप में शान से खड़ा है और दिखाता है कि सृजन करने वालों की शक्ति विनाश करने वालों से कहीं अधिक है।

शाह ने यहां यमुना नदी के किनारे स्थित विशाल बांसेरा पार्क में तीसरे अंतरराष्ट्रीय पतंग महोत्सव का उद्घाटन किया और लोगों को, विशेषकर किसानों को मकर संक्रांति की शुभकामनाएं दीं।

शाह ने कहा कि मकर संक्रांति को विभिन्न क्षेत्रों में लोहड़ी, बिहू, पोंगल और खिचड़ी पर्व के नाम से भी जाना जाता है जो मूल रूप से किसानों का त्योहार है और सूर्य देवता की जीवनदायी शक्ति का प्रतीक है।

शाह ने पतंग महोत्सव पर कहा कि यह देश के लोगों को दिल्ली से जोड़ेगा और उन्होंने दिल्ली सरकार और दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) से इसे देश और दुनिया के अग्रणी आयोजनों में से एक बनाने की दिशा में काम करने का आग्रह किया।

उन्होंने सुझाव दिया कि इस आयोजन को और अधिक समग्र बनाने के लिए एक समिति का गठन किया जाए।

अधिकारियों ने बताया कि इस अवसर पर दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता उपस्थित थे।

भारत-जापान में वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए जोखिम घटाने की अपार क्षमता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत और जापान ने व्यापार, महत्वपूर्ण खनिजों, रक्षा और उच्च प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में आपसी सहयोग बढ़ाने पर शुक्रवार को सहमति जताई। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि दोनों पक्षों के बीच साझेदारी में वैश्विक अर्थव्यवस्था के समक्ष मौजूद जोखिमों को कम करने की अपार क्षमता है।

जयशंकर ने यहां जापान के विदेश मंत्री तोशिमित्सु मोतेगी के साथ 18वीं भारत-जापान रणनीतिक वार्ता में हिस्सा लेने के बाद यह टिप्पणी की। वार्ता में दोनों पक्ष महत्वपूर्ण खनिजों पर एक संयुक्त कार्य समूह और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) पर एक संवाद तंत्र स्थापित करने पर सहमत हुए।

जयशंकर के साथ बातचीत से पहले मोतेगी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की।

विदेश मंत्री ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, हमारे बीच विशेष रणनीतिक एवं वैश्विक साझेदारी में लगातार प्रगति हो रही है और इसमें विश्व व्यवस्था को आकार देने तथा अंतरराष्ट्रीय अर्थव्यवस्था के समक्ष मौजूद जोखिमों को कम करने की अपार क्षमता है।

जनता ने 'विभाजनकारी दुष्प्रचार' को खारिज किया : अन्नामलाई

चेन्नई/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तमिलनाडु इकाई के पूर्व अध्यक्ष के अन्नामलाई ने महाराष्ट्र महानगर पालिका निकाय चुनावों में पार्टी की जीत पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि लोगों को 'ट्रिपल-इंजन' नेतृत्व पर भरोसा है और उन्होंने ''विभाजनकारी दुष्प्रचार' को खारिज कर दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच पर एक पोस्ट में कहा कि मुंबई की जनता ने स्पष्ट रूप से अपनी बात कह दी है और बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) चुनावों में 'महायुति' गठबंधन की ऐतिहासिक जीत 'विकास-प्रथम' शासन का एक सशक्त समर्थन है। भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के पूर्व अधिकारी अन्नामलाई को महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे ने निशाना बनाया था।

मरीना बीच

शुक्रवार को पोंगल पर्व के दौरान चेन्नई के मरीना बीच पर मौजूद लोग उत्सव का आनंद लेते हुए।

द्रमुक सरकार को हटाने के लिए तमिलनाडु के लोग इंतजार कर रहे हैं : पलानीस्वामी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) के महासचिव एडप्पाडी के. पलानीस्वामी ने शुक्रवार को कहा कि तमिलनाडु के लोग आगामी विधानसभा चुनावों में 'जनविरोधी' द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) सरकार को सत्ता से बाहर करने का इंतजार कर रहे है।

पार्टी के संस्थापक एम. जी. रामचंद्रन (एमजीआर) की 17 जनवरी को 109वीं जयंती से पहले पलानीस्वामी ने पार्टी कार्यकर्ताओं को लिखे एक पत्र में कहा कि एमजीआर और राज्य की पूर्व मुख्यमंत्री जे. जयललिता दोनों अब भले ही जीवित नहीं हैं, लेकिन पार्टी को यह साबित करना होगा कि वह आज भी अजेय बनी हुई है। उन्होंने कहा, ''एमजीआर द्वारा स्थापित अन्नाद्रमुक एकमात्र ऐसी पार्टी है जो तमिलनाडु की जनता के लिए काम करती है।''

विधानसभा में विपक्ष के नेता ने दावा किया कि मतदाता बदलाव के लिए उत्सुक हैं। उन्होंने कहा, ''तमिलनाडु के मतदाता मौजूदा जनविरोधी, वंशवादी सरकार को हटाकर एमजीआर और अम्मा (जयललिता को स्नेहवश इसी नाम से पुकारा जाता है) के महान आंदोलन को पुनर्जीवित करने के लिए तत्पर हैं। आज के दिन, आइए हम तमिलनाडु में अपने नेताओं के स्वर्णिम शासन को बहाल करने के महान कार्य में संलग्न होने का संकल्प लें।'' उन्होंने कहा कि राजनीतिक विपक्षी, पार्टी को कमजोर करने का प्रयास कर सकते हैं, लेकिन उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ऐसे प्रयासों को विफल करना और लोगों को सुशासन प्रदान करना कार्यकर्ताओं की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा, ''इस यात्रा में पार्टी के प्रत्येक कार्यकर्ता की कड़ी मेहनत और उत्साह अपरिहार्य है। मैं हमेशा आपके प्रयासों के साथ खड़ा रहूंगा।''

वेनेजुएला की नोबेल शांति पुरस्कार विजेता ने ट्रंप को अपना पदक भेंट किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

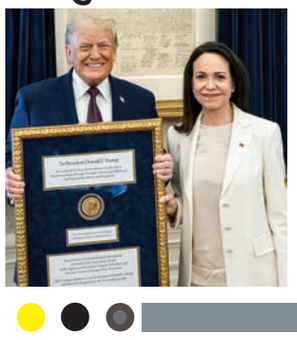

वाशिंगटन/भाषा। वेनेजुएला में विपक्ष की नेता मारिया कोरिना मचाडो ने कहा कि उन्होंने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को बृहस्पतिवार को अपना नोबेल शांति पुरस्कार पदक भेंट किया। मचाडो ने इससे पहले कई मौकों पर कहा था कि वह अपना नोबेल पुरस्कार ट्रंप को दे देंगी। उन्होंने बृहस्पतिवार को 'व्हाइट हाउस' (अमेरिका के राष्ट्रपति का आधिकारिक आवास एवं कार्यालय) में अमेरिकी राष्ट्रपति से मुलाकात की। यह बैठक ऐसे समय में हुई जब अमेरिका ने कुछ दिन पहले ही वेनेजुएला में सैन्य हमला कर उसके नेता निकोलस मादुरो को पकड़ने की कार्रवाई की है। सोशल मीडिया पर जारी एक तस्वीर में मचाडो 'ओवल ऑफिस' (राष्ट्रपति का कार्यालय) में ट्रंप के साथ खड़ी नजर आ रही हैं और ट्रंप के हाथ में नोबेल शांति पुरस्कार पदक है। इस तस्वीर के 'कैप्शन' में लिखा है, ''मारिया कोरिना मचाडो को प्रदान किया गया 2025 का नोबेल शांति पुरस्कार पदक।''

जयपुर में शुक्रवर को राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू, राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा आज नींदड़ में रामानन्द मिशन द्वारा आयोजित भव्य '1008 कुण्डीय हनुमान महायज्ञ' की पूर्णाहुति में सम्मिलित हुए एवं यज्ञ की पावन अग्नि में आहुति अर्पित कर बजरंगबली से समस्त प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। साथ ही, इस अवसर पर जगद्गुरु पूज्य स्वामी रामभद्राचार्य जी महाराज का आशीर्वाद भी प्राप्त किया।

राष्ट्रपति मुर्मू जयपुर में रामभद्राचार्य की राम कथा में शामिल हुईं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को जयपुर आईं और यहां एक धार्मिक कार्यक्रम में शामिल हुईं। राष्ट्रपति ने सीकर रोड पर हरमाड़ा इलाके में रामानंद मिशन द्वारा आयोजित 1,008 कुंडीय हनुमान महायज्ञ की पूर्णाहुति में भाग लिया। आज ही पीठाधीश्वर रामभद्राचार्य द्वारा आठ जनवरी से सुनायी जा रही रामकथा और महायज्ञ का समापन भी हुआ। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागडे एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने हवाई अड्डे पर राष्ट्रपति का स्वागत किया। वे भी राष्ट्रपति के साथ कार्यक्रम में शामिल हुए। लोक भवन के एक प्रवक्ता के अनुसार राष्ट्रपति बाद में जयपुर से रवाना हो गईं।

राजस्थान को टेक्सटाइल मैन्युफैक्चरिंग और एक्सपोर्ट हब बनाने की दिशा में हो रहा कार्य : श्रीनिवास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने कहा कि राजस्थान को राष्ट्रीय स्तर पर प्रमुख टेक्सटाइल निर्माण एवं निर्यात केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में केंद्र और राज्य सरकार मिलकर कार्य कर रही हैं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा इस क्षेत्र में निवेश के लिए राजस्थान टेक्सटाइल एवं अपैरल पॉलिसी-2025 लागू की गई है। इस पॉलिसी में निर्यातकों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से प्रदेश में पहली बार गारमेंट मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को भी शामिल किया गया है। प्राकृतिक एवं कृत्रिम फाइबर उत्पादन को बढ़ाने से लेकर तकनीकी टेक्सटाइल्स और वस्त्र विनिर्माण, हैंडलूम, ऊन प्रसंस्करण, चमड़े के उत्पाद, फुटवियर जैसे संबंधित क्षेत्र भी इस नीति का हिस्सा हैं। वस्त्र और परिधान क्षेत्र के उद्योगों को प्रोत्साहन देने के लिए 10 वर्षों तक 80 करोड़ रुपये वार्षिक तक का एसेट क्रिएशन इंसेंटिव सहित कई अन्य प्रावधान किए गए हैं।

मुख्य सचिव शुक्रवार को शासन सचिवालय में 'टेक्सटाइल इन राजस्थान' विषय पर आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भीलवाड़ा राजस्थान का टेक्सटाइल हब है। राजस्थान वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट पॉलिसी के तहत भीलवाड़ा, बालोतरा, कोटा, पाली, बाड़मेर जिलों के उत्पादों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। वस्त्र मंत्रालय की सचिव श्रीमती नीलम शमी राव ने बताया कि राजस्थान में न्यू एज फाइबर की अपार संभावनाएं हैं। राज्य में मिल्क वीड प्रचुर मात्रा में पाया जाता है, इस पौधे से प्राप्त फाइबर का उपयोग टेक्सटाइल उद्योग में किया जा सकता है। इस पहल से नए उत्पाद तैयार किए जा सकते हैं। साथ ही, इससे उद्योग में नवाचार को बढ़ावा भी मिलेगा। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार न्यू एज फाइबर सहित टेक्सटाइल क्षेत्र में अन्य नवाचारों की दिशा में सक्रिय रूप से काम कर रही है।

उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव शिखर अग्रवाल ने कहा कि राज्य सरकार कारीगरों और टेक्सटाइल सेक्टर को मजबूत बनाने के लिए कौशल प्रशिक्षण, बेहतर बुनियादी सुविधाएं और वित्तीय सहायता दे रही है। इससे इस क्षेत्र के सूक्ष्म, लघु और मध्यम के साथ ही बड़े उद्योग सशक्त होंगे और रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। राजस्थान में टेक्सटाइल सेक्टर में आधुनिक तकनीक और उत्पादन तरीकों को निरंतर बढ़ावा दिया जा रहा है।

राजीविका महिलाएं विकास की मुख्यधारा में जुड़कर हो रहीं सतर्क : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में महिला सशक्तीकरण का नया अध्याय लिखा जा रहा है। राजस्थान में भी राजीविका के माध्यम से महिलाएं प्रदेश के विकास की मुख्यधारा में शामिल होकर आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि राजीविका की प्रत्येक बहन पारिवारिक आय बढ़ाने में योगदान दे रही है और पूरे परिवार को आत्मनिर्भर बना रही है। शर्मा शुक्रवार को बिड़ला ऑडिटोरियम में राजीविका स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं के साथ बजट पूर्व संवाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृति में समृद्धि की देवी मां लक्ष्मी, ज्ञान की देवी मां सरस्वती और शक्ति की देवी मां दुर्गा की आराधना की जाती है। ये तीनों ही रूप हमारी माता-बहनों में समाहित हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में डबल इंजन सरकार आवास से लेकर रसोई गैस सब्सिडी जैसी योजनाओं का लाभ महिलाओं को प्रदान कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विकसित राजस्थान के निर्माण में भी आधी आबादी की भूमिका महत्वपूर्ण है। राजीविका की लगभग 13 लाख महिलाएं लखपति दीदी बन चुकी है। इनमें से मिलेनियर दीदी भी बन रही हैं। स्वयं सहायता समूहों ने सिद्ध कर दिया है कि महिलाएं बेहतरीन प्रबंधक और उद्यमी हैं। साथ ही, महिलाओं ने ऊंची ब्याज दर पर कर्ज लेने की मजबूरी से भी मुक्ति पाई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में 51 लाख ग्रामीण परिवारों को 4 लाख से अधिक स्वयं सहायता समूहों से जोड़ा गया है। साथ ही, 32 हजार ग्राम संगठन और 1 हजार से अधिक क्लस्टर लेवल फेडरेशन के माध्यम से राजीविका का मजबूत नेटवर्क तैयार किया गया है। उन्होंने कहा कि आजीविका संवर्धन के अंतर्गत लगभग 36 लाख परिवार कृषि एवं पशुपालन आधारित गतिविधियों से जुड़कर काम कर रहे हैं।

शर्मा ने कहा कि राजीविका के माध्यम से स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को 2 हजार करोड़ रुपये से अधिक की राशि आजीविका संवर्धन हेतु प्रदान की गई। उन्होंने कहा कि कृषि एवं पशुपालन और गैर-कृषि गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए साढ़े 3 हजार से अधिक उत्पादक समूहों का गठन किया गया है। इनके माध्यम से लगभग 3 लाख परिवारों को कृषि एवं पशुपालन गतिविधियों में जोड़ा गया है। किसान परिवार की महिलाएं पशुपालन भी करती हैं। इसलिए हमारी सरकार पशुपालकों को दूध पर 5 रुपये प्रति लीटर का अनुदान दे रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लाडो प्रोत्साहन योजना में देय राशि 1 लाख रुपये से बढ़ाकर डेढ़ लाख रुपये की है। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना में 5 हजार रुपये की राशि को बढ़ाकर 6 हजार 500 रुपये किया गया है। इस योजना में लगभग 10 लाख गर्भवती महिलाओं को 531 करोड़ रुपये की राशि प्रदान की गई है। उन्होंने कहा कि मा वाउचर योजना से गर्भवती महिलाओं को निःशुल्क सोनोग्राफी की सुविधा मिल रही है। अब तक 2 लाख 26 हजार महिलाओं को इस सुविधा का लाभ मिल चुका है। साथ ही, शिक्षा सेतु योजना के तहत 90 हजार से अधिक महिलाओं व बालिकाओं को रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण दिया गया है।

बेटियों के यौन शोषण का आरोपी पिता गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। राजस्थान के जोधपुर में अपनी दो बेटियों का यौन शोषण करने के आरोप में एक व्यक्ति को शुक्रवार को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस के मुताबिक, इस संबंध में शिकायत दर्ज होने के बाद से ही आरोपी कलेक्ट्रेट परिसर में छुपा हुआ था। आरोपी दिहाड़ी मजदूर है। पुलिस ने बताया कि मामले में दोनों पीड़िताओं के बयान दर्ज कर उनकी चिकित्सीय जांच करा ली गई है। पुलिस के अनुसार, कथित शोषण का यह मामला उस वक्त सामने आया जब आरोपी ने अपनी छोटी बेटी (15) के साथ छेड़छाड़ की। पुलिस ने बताया कि नाबालिग लड़की ने जब यह बात अपनी बड़ी बहन को बताई, तब यह खुलासा हुआ कि बड़ी बहन का भी पिछले 12 वर्षों से अधिक समय से शोषण किया जा रहा था।

पुलिस के अनुसार, बड़ी बेटी के साथ यह कथित शोषण तब शुरू हुआ जब वह महज छह साल की थी। उस दौरान उसके पिता ने कथित तौर पर उसके साथ मारपीट की और बलात्कार किया, तब से वह लगातार उसका यौन शोषण कर रहा था।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आरोपी ने उसे चुप कराने के लिए जान से मारने की धमकी दी थी और चेतावनी दी थी कि वह अपनी मां या किसी अन्य रिश्तेदार को इस बारे में न बताए।

धमकियों से डरी बड़ी बेटी सालों तक खामोश रही, जबकि आरोपी पिता लगभग 12 वर्षों तक उसका शारीरिक शोषण करता रहा। पुलिस के अनुसार, बलात्कार की सबसे हालिया घटना सिर्फ एक महीने पहले हुई थी। पुलिस के अनुसार, हाल ही में जब आरोपी ने छोटी बेटी के साथ दुर्व्यवहार किया, तो उसने उसका विरोध किया और बड़ी बहन को इसकी जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि इसके बाद छोटी बहन ने अपनी बड़ी बहन को इस बारे सब कुछ अपनी मां को बताने के लिए राजी किया। पुलिस के अनुसार, जब लड़कियों की मां को घटना की जानकारी मिली तो उनके और आरोपी व्यक्ति के बीच तीखी बहस हुई और मामला परिवार में फैल गया।

पुलिस के अनुसार, कानूनी कार्रवाई के डर से आरोपी तीन दिन पहले छिप गया था। शिकायत के आधार पर बृहस्पतिवार को पिता के खिलाफ एक प्राथमिकी दर्ज की गई। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि पिता के खिलाफ धमकी और शारीरिक हमले के जरिये बलात्कार, 12 साल तक लगातार यौन शोषण और अपनी छोटी बेटी के साथ छेड़छाड़ के आरोप हैं। अधिकारी के अनुसार, यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम की प्रासंगिक धाराओं को भी इस मामले में जोड़ा गया है।

राजस्व राज्य मंत्री चौधरी ने घुमंतु परिवारों के विद्यार्थियों को सौंपी स्कूल गणवेश व स्टेशनरी किट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्व राज्यमंत्री विजय सिंह चौधरी ने डीडवाना-कुचामन जिला प्रशासन के नवाचार के अन्तर्गत घुमंतू परिवारों के बच्चों के संवर्धन एवं प्रोत्साहन के लिए राजकीय विद्यालय, चितावा के विद्यार्थियों को स्कूल यूनिफॉर्म एवं स्टेशनरी किट वितरण किया। भारतीय पीजी महाविद्यालय, चितावा में हुए कार्यक्रम में जिला प्रशासन द्वारा भामाशाहों के सहयोग से खरीदी गई स्कूल यूनिफॉर्म, स्वेटर,जूते एवं स्टेशनरी किट का वितरण किया गया।

विजय सिंह चौधरी ने कहा कि जिला कलक्टर डॉ. खड़गावत ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशा को धरातल पर साकार करने के लिए जिले में कई नवाचार किये हैं। इसी क्रम में जिले में घुमंतु परिवारों के बच्चों को शिक्षा से जोड़ने का कार्य सराहनीय है, जिला प्रशासन के इस कार्य से घुमन्तु परिवारों के बच्चों को शिक्षा प्राप्त कर मुख्यधारा में आने में मदद मिलेगी।

जिला कलक्टर डॉ. महेंद्र खड़गावत ने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा जिलेभर में घुमन्तु परिवारों के बच्चों को राजकीय विद्यालयों में प्रवेश दिलाकर सभी संसाधन उपलब्ध करवाये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा घुमंतु परिवारों के आवश्यक दस्तावेज बनाने के साथ - साथ उनको आवास एवं कृषि कार्य के लिए भूमि उपलब्ध कराने एवं राज्य सरकार की योजनाओं से जोड़ने का कार्य भी कर रहा है। उन्होंने विद्यार्थियों को यूनिफॉर्म सहित स्टेशनरी किट प्रदान करने वाले भामाशाहों को सहायता उपलब्ध करवाने के लिए धन्यवाद दिया।

घुमंतु परिवारों के बच्चों के संवर्धन एवं प्रोत्साहन कार्यक्रम के संबंध में अतिरिक्त जिला कलक्टर मोहन लाल खटनावलिया ने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा गुरुवार को 11 गांवों के घुमंतु परिवारों के राजकीय विद्यालयों के 160 विद्यार्थियों को स्कूल यूनिफॉर्म, सहित स्वेटर, जूते एवं स्टेशनरी किट तथा 18 विद्यार्थियों के आधार कार्ड बना कर वितरित किये गए। उन्होंने बताया कि इस अवसर पर भामाशाहों के सहयोग से 60 जरूरतमंद व्यक्तियों को कंबल भी वितरित किये गए।

छात्रावास के लिए आवंटित भूखंडों का आवंटन रद्द करना दुर्भाग्यपूर्ण : गहलोत

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने विभिन्न समाजों के वास्ते छात्रावास बनाने के लिए आवंटित भूखंडों का आवंटन रद्द किए जाने की शुक्रवार को आलोचना करते हुए कहा कि यह राज्य की भाजपा सरकार की संकुचित मानसिकता का परिचायक है। गहलोत ने 'एक्स' पर लिखा,भाजपा सरकार द्वारा कांग्रेस सरकार के समय राज्य में विभिन्न समाजों, विशेषकर पिछड़े वर्गों (ओबीसी) और दलित समुदायों के विद्यार्थियों के वास्ते छात्रावास निर्माण हेतु आवंटित भूखंडों का आवंटन रद्द करना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और संकुचित मानसिकता का परिचायक है।उन्होंने कहा कि पिछली कांग्रेस सरकार ने यह आवंटन इसलिए किए थे ताकि गांव-ढाणी से आने वाले गरीब और पिछड़े वर्ग के बच्चे शहरों में रहकर उच्च शिक्षा प्राप्त कर सकें। उन्होंने कहा कि शहरों में छात्रावास न होने के कारण इन समाजों के होनहार परन्तु आर्थिक रूप से कमजोर पृष्ठभूमि के विद्यार्थी पढ़ाई से वंचित रह जाते हैं। गहलोत ने लिखा,सरकारें तो बदलती रहती हैं परन्तु सत्ता का अहंकार इतना नहीं होना चाहिए कि आप राजनीतिक द्वेष के चलते युवाओं के भविष्य और सामाजिक उत्थान के कार्यों पर ही प्रहार करने लगें। उन्होंने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से आग्रह किया है कि वह इन जनहितकारी आवंटनों को तुरंत बहाल करें ताकि सामाजिक न्याय की अवधारणा प्रभावित न हो।

सड़क हादसे में दंपत्ति सहित चार की मौत

जयपुर। राजस्थान में चित्तौड़गढ़-उदयपुर राजमार्ग पर बृहस्पतिवार देर रात हुए सड़क हादसे में एक दंपत्ति समेत चार लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। इसके अनुसार हादसे में दंपत्ति का छह साल का बेटा बच गया। यह हादसा चित्तौड़गढ़ जिला मुख्यालय से करीब 35 किलोमीटर दूर भादसोड़ा इलाके के नरबदिया गांव के पास देर रात लगभग दो बजे हुआ। कार में सवार परिवार उदयपुर में एक शादी समारोह से लौट रहा था।पुलिस ने बताया कि अचानक एक जानवर सामने आ गया जिससे चालक का वाहन पर नियंत्रण नहीं रहा और कार पहले डिवाइडर से और फिर सामने से आ रहे ट्रेलर से टकरा गई। टक्कर इतनी ज़ोरदार थी कि कार पूरी तरह से चकनाचूर हो गई। मृतको की पहचान रिंकेश नानवानी (40), उनकी पत्नी सुहानी (38), उनकी चाची रजनी (58) और फूफा हीरानंद लालवानी (60) के रूप में हुई है। नानवानी और उनकी पत्नी की सिर में गंभीर चोट लगने से मौके पर ही मौत हो गई, जबकि अन्य दो ने अस्पताल ले जाते समय दम तोड़ दिया। बच्चे वैभव को चोटें आई हैं और डॉक्टरों ने बताया कि उसकी हालत स्थिर है। पुलिस ने बताया कि हादसे के समय कार बहुत तेज गति में थी।

राजस्थान में 13 लाख महिलाएं लखपति दीदी बनीं : भजनलाल शर्मा

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को कहा कि विकसित राजस्थान के निर्माण में आधी आबादी की भूमिका महत्वपूर्ण है और 'राजीविका' की लगभग 13 लाख महिलाएं लखपति दीदी बन चुकी है। उन्होंने कहा कि इनमें से 'मिलेनियर' दीदी भी बन रही हैं। वह यहां राजीविका स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं के साथ बजट पूर्व संवाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि स्वयं सहायता समूहों ने सिद्ध कर दिया है कि महिलाएं बेहतरीन प्रबंधक और उद्यमी हैं तथा उन्होंने ऊंची ब्याज दर पर कर्ज लेने की मजबूरी से भी मुक्ति पाई है। आधिकारिक बयान के अनुसार मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में 51 लाख ग्रामीण परिवारों को चार लाख से अधिक स्वयं सहायता समूहों से जोड़ा गया है तथा 32 हजार ग्राम संगठन और एक हजार से अधिक 'क्लस्टर लेवल फेडरेशन' के माध्यम से राजीविका का मजबूत नेटवर्क तैयार किया गया है। उन्होंने कहा कि आजीविका संवर्धन के अंतर्गत लगभग 36 लाख परिवार कृषि एवं पशुपालन आधारित गतिविधियों से जुड़कर काम कर रहे हैं। शर्मा ने कहा कि राजस्थान में भी राजीविका के माध्यम से महिलाएं विकास की मुख्यधारा में शामिल होकर आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ रही हैं तथा हर बहन पारिवारिक आय बढ़ाने में योगदान दे रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में 'डबल इंजन' सरकार आवास से लेकर रसोई गैस सब्सिडी जैसी योजनाओं का लाभ महिलाओं को प्रदान कर रही है।

ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं हुआ : राजनाथ सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारतीय सेनाओं का 'ऑपरेशन सिंदूर' अभी खत्म नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि जब तक आतंकी सोच खत्म नहीं होती तब तक शांति के लिए यह प्रयास लगातार जारी रहेगा। सिंह ने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' भारत के इतिहास में साहस व संतुलन के प्रतीक के रूप में याद रखा जाएगा। रक्षा मंत्री, भारतीय सेना दिवस के उपलक्ष्य में यहां एसएमएस स्टेडियम में आयोजित शौर्य संध्या को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, यह भी सच है कि 'ऑपरेशन सिंदूर' अब पूरी तरह से समाप्त नहीं हुआ है क्योंकि जब तक आतंकी सोच खत्म नहीं होती तब तक शांति के लिए हमारा यह प्रयास लगातार चलता रहेगा। मैं राजस्थान की इस वीर धरती से इसकी घोषणा कर रहा हूं। रक्षा मंत्री ने कहा कि इस (ऑपरेशन सिंदूर) अभियान में भारत ने अपनी सैन्य ताकत ही नहीं दिखाई बल्कि अपने राष्ट्रीय स्वभाव का भी परिचय दिया है।

उन्होंने कहा, आतंकियों के खिलाफ की गई कार्रवाई पूरी तरह से सोच समझ कर और मानवीय मूल्यों को ध्यान में रखकर की गई। इसी कारण 'ऑपरेशन सिंदूर' भारत के इतिहास में सिर्फ सैन्य कार्रवाई के रूप में नहीं बल्कि साहस व संतुलन के प्रतीक के रूप में याद रखा जाएगा। सिंह ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान

अदम्य साहस व शौर्य का परिचय देने के लिए सेना के जवानों को बधाई दी। राजनाथ सिंह ने इस बात पर बल दिया कि आतंकवादी कभी सोच भी नहीं सकते थे कि भारतीय सशस्त्र बल उनके खिलाफ इतनी बहादुरी और तेजी से कार्रवाई करेंगे। उन्होंने कहा, हालात मुश्किल थे और दबाव भी था लेकिन हमारे सैनिकों ने जिस संयम, एकता और धैर्य के साथ ऑपरेशन को अंजाम दिया वह अभूतपूर्व और तारीफ के काबिल है।

सिंह ने कहा कि भारतीय सैनिक सिर्फ योद्धा नहीं होता बल्कि एक दार्शनिक व कुशल प्रबंधक होता है क्योंकि सैनिक का जीवन 'सेवा परमो धर्म' पर आधारित है। उन्होंने कहा, भारतीय सेना अपने आप में देश के लिए, नागरिकों के लिए, हमारे युवाओं के लिए कई मायनों में विशाल है। कोई भी जब भारतीय सेना को देखता है तो हमें पूरा भारत दिखाई देता है। भारतीय सेना अपने आप में विविधता में एकता का सजीव उदाहरण है।

रक्षा मंत्री ने कहा, सेना ने भारत की सामाजिक एकता को मजबूत करने में अतुल्य योगदान दिया है।

यही कारण है कि भारतीय सेना एक सैन्य बल नहीं है यह राष्ट्र निर्माण का एक प्रमुख स्तम्भ है। सिंह ने कहा, दूसरे देशों में आम तौर पर सेना का नागरिकों के साथ बहुत ज्यादा वास्ता नहीं है जबकि भारत में सेना नागरिकों के साथ मिलकर काम करती है। जनता, सेना पर अटूट विश्वास करती है। मैं मानता हूं कि यह विश्वास ही सेना की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने कहा कि जनता व सेना के बीच पारस्परिक विश्वास का बंधन ही हमारे राष्ट्रीय सुरक्षा के ढांचे की नींव है।

सिंह ने सुधारों के लिए भारतीय सेना द्वारा उठाये गए कदमों की सराहना की। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना ने दिखाया कि संगठन बड़ा होने के बावजूद भी अगर इच्छा शक्ति है तो सुधारों को तेजी से लागू करने में कोई समस्या नहीं आती है। रक्षा मंत्री ने कहा कि हम 2047 तक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय सेना को दुनिया की सबसे सशक्त सेना बनाने की ओर बढ़ रहे हैं।

उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने पलामेडु में जल्लीकट्टू प्रतियोगिता का उद्घाटन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मदुरै। तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने शुक्रवार को मदुरै के पास पलामेडु में मंजामलाई नदी तट पर जल्लीकट्टू प्रतियोगिता का उद्घाटन किया। अवनियापुरम में इस प्रतियोगिता के उद्घाटन के बाद पलामेडु में तीन प्रमुख पोंगल आयोजनों में से दूसरे के प्रारंभ होने के साथ ही मदुरै में सांड को काबू में करने का खेल चरम पर पहुंच गया।

अधिकारियों के अनुसार, आज के आयोजन में 1,000 से अधिक सांड और सांड को काबू में करने वाले लगभग 500 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, भीड़ को नियंत्रित करने के लिए 2,000 से अधिक पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है।

शुक्रवार के आयोजन के लिए भी सांड को काबू करने वाले सर्वश्रेष्ठ प्रतिभागी और सर्वश्रेष्ठ सांड के मालिक को क्रमशः एक कार और एक ट्रैक्टर जीतने का मौका मिलेगा, जो द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) नेतृत्व द्वारा प्रायोजित है।

सीजन का पहला मुकाबला 15 जनवरी को समाप्त हुआ, जिसमें वलयनकुलम के बालमुरुगन विजेता बनकर उभरे।

बालमुरुगन ने 22 सांडों को काबू में करके मुख्यमंत्री पुरस्कार जीता। अवनियापुरम के जी आर कार्तिक ने 17 सांडों को काबू में करके दूसरा स्थान हासिल किया और उन्हें एक मोटरसाइकिल मिली। जल्लीकट्टू का भव्य समापन समारोह 17 जनवरी को अलंगनल्लूर में आयोजित किया जाएगा और इसका उद्घाटन मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन करेंगे। मदुरै क्षेत्र के मूल निवासी एवं लोकप्रिय अभिनेता सूरी ने कार्यक्रम शुरू होने के कुछ ही समय बाद वहां पहुंचकर शुक्रवार के कार्यक्रम में जोश भर दिया।

पलामेडु में कार्यक्रम स्थल से बाहर निकलते समय 'पीटीआई-वीडियो' से बात करते हुए अभिनेता ने सांड पकड़ने के इस पारंपरिक खेल के प्रति अपने गहरे भावनात्मक जुड़ाव को व्यक्त किया और इसे तमिल पहचान का एक आवश्यक प्रतीक बताया।

सूरी ने कहा, ''मैं इसे बहुत गर्व की बात मानता हूं। मुझे अपने पूर्वजों द्वारा दी गई उस पहचान का हिस्सा होने पर बहुत गर्व महसूस होता है- एक ऐसी पहचान जो हमारी मिट्टी और हमारी विरासत में गहराई से निहित है।''

अभिनेता ने इस महत्वपूर्ण आयोजन के सुचारू संचालन की भी सराहना की। उन्होंने कहा, ''व्यवस्थाएं बहुत अच्छी हैं। इसे बेहतरीन तरीके से अंजाम दिया गया है।'' वादिवसल में सूरी की उपस्थिति मंजमलाई नदी के किनारे एकत्रित हजारों प्रशंसकों के लिए एक मुख्य आकर्षण साबित हुई।

सत्ता में हिस्सेदारी मांगने संबंधी कांग्रेस की मांग में कुछ भी गलत नहीं है : सचिन पायलट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सचिन पायलट ने तमिलनाडु में सत्ता में हिस्सेदारी संबंधी पार्टी की मांग का बचाव करते हुए शुक्रवार को कहा कि हर राजनीतिक दल शासन में भूमिका निभाना चाहता है। पायलट का चेन्नई हवाई अड्डे पर पार्टी कार्यकर्ताओं ने जबरदस्त स्वागत किया। पायलट ने मीडिया से कहा, हर राजनीतिक दल प्रतिनिधित्व चाहता है। मुझे लगता है कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा प्रतिनिधित्व की मांग करने में कोई बुराई नहीं है, ताकि वे तमिलनाडु के लोगों की मदद कर सकें। भविष्य में कुछ भी हो, भाजपा और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को तमिलनाडु की राजनीति में कभी पैर जमाने का मौका नहीं मिलेगा।

उन्होंने कहा कि द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) सरकार ने बेहतर प्रदर्शन किया है और जनता का समर्थन हासिल किया है। उन्होंने कहा, ''सरकार ने अच्छा काम किया है और लोगों ने उनके काम को पसंद किया है।''

पायलट कांग्रेस की तमिलनाडु इकाई की उस मांग पर पूछे गए सवालों का जवाब दे रहे थे जिसमें कहा गया था कि इस वर्ष मार्च-अप्रैल में प्रस्तावित विधानसभा चुनाव में यदि द्रमुक के नेतृत्व वाले गठबंधन की जीत होती है तो उन्हें सत्ता में हिस्सेदारी मिलनी चाहिए।

कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने हाल में कहा था कि ''सत्ता में हिस्सेदारी'' पर बहस करने का समय आ गया है, जबकि कांग्रेस विधायक दल के नेता एस राजेशकुमार ने भी गठबंधन सरकार की वकालत की थी।

द्रमुक नेता एवं मंत्री आई पेरियासामी ने हालांकि गठबंधन सरकार की संभावना को खारिज करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री एम के स्टालिन गठबंधन सहयोगियों के साथ सत्ता साझा न करने पर अडिग हैं। पायलट ने तमिलनाडु कांग्रेस को यहां बहुत मजबूत' बताते हुए दावा किया कि पार्टी का तमिलनाडु में अच्छा खासा मत प्रतिशत है और उसने हमेशा जनता के हितों को ध्यान में रखते हुए काम किया है। उन्होंने कहा, हमने मिलकर काम किया है, सरकार (द्रमुक) ने अच्छा काम किया है।

भाजपा और राजग की आलोचना करते हुए पायलट ने कहा कि राजनीतिक माहौल बनाने के बार-बार प्रयास करने के बावजूद वे तमिलनाडु में सफल नहीं होंगे। उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि भाजपा और राजग चाहे कितनी भी कोशिश कर लें, वे तमिलनाडु में कभी सफल नहीं होंगे।'' उन्होंने कहा कि कांग्रेस अपने सहयोगी दलों के साथ मिलकर इन ताकतों (भाजपा और राजग) से लड़ने के लिए प्रतिबद्ध है। पायलट ने कहा, ''हम एकजुट रहे हैं और भविष्य में भी कांग्रेस पार्टी और सभी गठबंधन सहयोगी एक साथ मिलकर भाजपा और राजग को पराजित करेंगे।''

प्रधानमंत्री मोदी, स्टालिन ने तिरुवल्लुवर को श्रद्धांजलि अर्पित की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, तमिलनाडु के राज्यपाल आर एन रवि, मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन, भाजपा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नवीन और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष नैनार नागेंद्रन ने शुक्रवार को तिरुवल्लुवर दिवस के अवसर पर तमिल संत-कवि तिरुवल्लुवर को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। मोदी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, ''आज तिरुवल्लुवर दिवस पर बहुमुखी प्रतिभा के धनी तमिल संत-कवि तिरुवल्लुवर को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं, जिनके कार्यों और आदर्शों से अनगिनत लोग प्रेरित होते हैं। वह एक ऐसे समाज में विश्वास करते थे जो सामंजस्यपूर्ण और करुणामय हो। वह तमिल संस्कृति के सर्वश्रेष्ठ स्वरूप का प्रतीक हैं।''

मोदी ने लोगों से ''तिरुक्कुरल'' पढ़ने का आग्रह किया, जो तिरुवल्लुवर की ''असाधारण बुद्धिमत्ता'' की झलक देती है। प्रधानमंत्री ने कन्याकुमारी में तिरुवल्लुवर प्रतिमा के दर्शन और संत कवि की प्रार्थना करने के वीडियो भी साझा किए।

राज्यपाल रवि ने अपने आधिकारिक आवास लोक भवन में स्थापित तिरुवल्लुवर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और पुष्पांजलि अर्पित की। रवि ने कहा, पूर्ण श्रद्धा के साथ राष्ट्र संत तिरुवल्लुवर को नमन करता है, जिनकी गहन बुद्धिमत्ता ने सदियों से भारत की नैतिक और आध्यात्मिक चेतना को आकार दिया है। तिरुक्कुरल, भारतीय विरासत का एक कालातीत तमिल खजाना है, जो समय, समाज और परिस्थितियों से परे है, तथा सनातन धर्म के शाश्वत लोकाचार में दृढ़ता से निहित है।

मुख्यमंत्री स्टालिन ने कहा कि तिरुवल्लुवर द्वारा बताए गए चार गुण साहस, उदारता, ज्ञान और दृढ़ता उनके शासन की नींव हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, ''तिरुवल्लुवर दिवस के अवसर पर मैं यह प्रतिज्ञा लेता हूं कि (तिरुवल्लुवर द्वारा बताए गए) ये चार गुण - साहस, उदारता, ज्ञान और ऊर्जा, तमिलनाडु में निरंतर कायम रहेंगे।'' भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन ने कहा, ''तिरुवल्लुवर दिवस पर मैं महान तमिल संत तिरुवल्लुवर को नमन करता हूं। उनके कालजयी ग्रंथ जीवन के हर क्षेत्र में हमारे समाज का मार्गदर्शन करते रहते हैं।'' उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''मैं युवाओं से आग्रह करता हूं कि वे उनके कार्यों से जुड़ें और उनकी गहन अंतर्दृष्टि से प्रेरणा लें।''

भाजपा की तमिलनाडु इकाई के अध्यक्ष नैनार नागेंद्रन ने कहा, ''हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विभिन्न देशों की यात्राओं के दौरान लगातार तमिल भाषा की प्रशंसा की है। उन्होंने तमिल भाषा के लिए अभूतपूर्व कार्य किए हैं, जो इतिहास में किसी और से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हैं और यह दर्शाता है कि प्रत्येक भारतीय को तमिल भाषा पर गर्व होना चाहिए।''

उन्होंने कहा, ''तिरुवल्लुवर दिवस के इस अवसर पर आइए, हम महान वल्लुवर की महिमा का उत्सव मनाएं और उनकी आराधना करें।'' तमिल महीने 'थाई' का दूसरा दिन 'तिरुवल्लुवर दिवस' के रूप में मनाया जाता है।

पलक्कड़ में युवक ने चाकू मारकर 57 वर्षीय व्यक्ति की हत्या की

पलक्कड़। पलक्कड़ के ओलिम्कादावु में एक युवक ने 57 साल के एक व्यक्ति की कथित तौर पर चाकू मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। मृतक की पहचान मंगलम बांध के समीप स्थित ओलिम्कादावु के थलिकाक्कल्ली उन्नथि के रहने वाले राजामणि के रूप में हुई है। मंगलम बांध थाना क्षेत्र के पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आरोपी युवक राहुल त्रिशूर जिले के वेलिकुलंगारा का रहने वाला है और राजामणि की हत्या के सिलसिले में उसे हिरासत में ले लिया गया है। पुलिस ने बताया की घटना बृहस्पतिवार रात करीब 8 बजे की है। स्थानीय मीडिया की खबरों के मुताबिक, आरोपी युवक के राजामणि की बेटी के साथ प्रेम संबंध थे और मृतक इसका विरोध करता था। पुलिस के अनुसार, राहुल इसी सिलसिले में राजामणि के घर पहुंचा और फिर दोनों के बीच विवाद हो गया। दर्ज प्राथमिकी के मुताबिक राहुल ने मृतक की गर्दन और छाती पर चाकू से वार किया, जिसके बाद राजामणि को पास के अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस के अनुसार राहुल फरार हो गया, लेकिन पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से उसे पकड़ लिया। पुलिस ने बताया कि राहुल के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया गया है और फिर उसकी गिरफ्तारी की प्रक्रिया औपचारिक रूप से पूरी की जाएगी।

नई अमृत भारत और साप्ताहिक एक्सप्रेस ट्रेनों की शुरुआत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां दक्षिण रेलवे से प्राप्त जानकारी के अनुसार रेलवे बोर्ड द्वारा अप्रूव्ड, नई अमृत भारत ट्रेनें नागरकोइल-न्यू जलपाईगुड़ी, तिरुचिरापल्ली-न्यू जलपाईगुड़ी, तांबरम-संतरागाछी, बेंगलूरु-अलीपुरद्वार और नई साप्ताहिक एक्सप्रेस ट्रेनें बेंगलूरु-बालुरघाट और बेंगलूरु-राधिकापुर के बीच शुरू की जाएंगी।

ट्रेन नंबर 20604/20603 नागरकोइल-न्यू जलपाईगुड़ी-नागरकोइल अमृत भारत एक्सप्रेस : उद्घाटन सेवा ट्रेन नंबर 02603 रंगापानी (पश्चिम बंगाल) - नागरकोइल अमृत भारत एक्सप्रेस को 17 जनवरी को संभावित रूप से 13.45 बजे रंगापानी रेलवे स्टेशन से हरी झंडी दिखाई जाएगी।

ट्रेन नंबर 02603 रंगापानी-नागरकोइल अमृत भारत एक्सप्रेस 17 जनवरी, 2026 (शनिवार) को 13.45 बजे रंगापानी से रवाना होगी और तीसरे दिन 19.15 बजे नागरकोइल पहुंचेगी। ट्रेन में 8- स्लीपर क्लास कोच, 11- जनरल सेकंड क्लास कोच, 1- पैंट्री कार और 2- सेकंड क्लास कोच (दिव्यांगजन अनुकूल) होंगे।

उद्घाटन स्पेशल ट्रेनों का शेड्यूल

ट्रेन नंबर 20610/20609 तिरुचिरापल्ली-न्यू जलपाईगुड़ी-तिरुचिरापल्ली अमृत भारत एक्सप्रेस : ट्रेन की उद्घाटन सेवा को 17 जनवरी को संभावित रूप से 13.45 बजे न्यू जलपाईगुड़ी रेलवे स्टेशन से हरी झंडी दिखाई जाएगी।

ट्रेन नंबर 02609 न्यू जलपाईगुड़ी - तिरुचिरापल्ली अमृत भारत एक्सप्रेस 17 जनवरी, 2026 (शनिवार) को 13.45 बजे न्यू जलपाईगुड़ी से रवाना होगी और तीसरे दिन 14.15 बजे तिरुचिरापल्ली पहुंचेगी। इस ट्रेन में 8- स्लीपर क्लास कोच, 11- जनरल सेकंड क्लास कोच, 1- पैंट्री कार और 2- सेकंड क्लास कोच (दिव्यांगजन अनुकूल) होंगे।

ट्रेन नंबर 16107/16108 तांबरम-संतरागाछी-तांबरम अमृत भारत एक्सप्रेस की पहली सेवा 18 जनवरी, 2026 (रविवार) को संतरागाछी से 14.45 बजे रवाना होगी और अगले दिन 18.45 बजे तांबरम पहुंचेगी।इस ट्रेन में 8- स्लीपर क्लास कोच, 11- जनरल सेकंड क्लास कोच, 1- पैंट्री कार और 2- सेकंड क्लास कोच (दिव्यांगजन अनुकूल) होंगे।

ट्रेन नंबर 16597/16598 एसएमवीटी बेंगलूरु-अलीपुरद्वार-एसएमवीटी बेंगलूरु (कटपाडी-जोलारपेट्टई के रास्ते) अमृत भारत एक्सप्रेस की पहली सेवा 17 जनवरी को अलीपुरद्वार रेलवे स्टेशन से संभावित रूप से 13.45 बजे हरी झंडी दिखाकर रवाना की जाएगी।

ट्रेन नंबर 06598 अलीपुरद्वार - एसएमवीटी बेंगलूरु अमृत भारत एक्सप्रेस (कटपाडी, जोलारपेट्टई के रास्ते) 17 जनवरी, शनिवार को अलीपुरद्वार से 13.45 बजे रवाना होगी और तीसरे दिन 16.50 बजे एसएमवीटी बेंगलूरु पहुंचेगी। ट्रेन में 8- स्लीपर क्लास कोच, 11- जनरल सेकंड क्लास कोच, 1- पैंट्री कार और 2- सेकंड क्लास कोच (दिव्यांगजन अनुकूल) होंगे।

ट्रेन नंबर 06534 बालुरघाट (पश्चिम बंगाल) - एसएमवीटी बेंगलूरु एक्सप्रेस की पहली सेवा बालुरघाट रेलवे स्टेशन से संभावित रूप से 17 जनवरी को 13.45 बजे हरी झंडी दिखाकर रवाना की जाएगी। ट्रेन नंबर 06534 बालुरघाट - ड्यतढ बेंगलूरु एक्सप्रेस (पेरम्बूर, अराक्कोनम, काटपाडी, जोलारपेट्टई होते हुए) 17 जनवरी, 2026 (शनिवार) को बालुरघाट से 13.45 बजे रवाना होगी और तीसरे दिन 09.40 बजे एसएमवीटी बेंगलूरु पहुंचेगी। ट्रेन में 2 टियर एसी कोच 2, थ्री टियर एसी कोच 6, 8- स्लीपर क्लास कोच, 4- जनरल सेकंड क्लास कोच, 2- सेकंड क्लास कोच (दिव्यांगजन अनुकूल) और 1- लगेज कम ब्रेक वैन कोच होंगे।

भाजपा न तमिलनाडु को समझती है, न तमिलों को : मंत्री टीआरबी राजा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के उद्योग मंत्री टीआरबी राजा ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए कहा कि यह पार्टी न तो तमिलनाडु को समझती है और न ही तमिलों को समझने का प्रयास करती है। राजा ने कहा कि दिल्ली को तमिलनाडु और यहां के त्योहारों की कोई समझ नहीं है। उनकी यह टिप्पणी केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा बृहस्पतिवार को तमिलनाडु के लोगों को 'पोंगल' के बजाय 'तिरुवल्लुवर दिवस' की शुभकामनाएं दिए जाने की पृष्ठभूमि में आई है।

राजा ने 15 जनवरी को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, ''जब लोग मुझसे भाजपा और तमिलनाडु के बारे में पूछते हैं, तो मैं अक्सर यही बताता हूं कि मूल समस्या यह है कि भाजपा न तो तमिलों और तमिलनाडु को समझती है और न ही यह जानने का प्रयास करती है कि हम क्या हैं और हमें क्या चाहिए।''

उन्होंने कहा कि तमिलनाडु में पोंगल' तमिल माह 'थाई' के पहले दिन मनाया जाता है, जबकि 'तिरुवल्लुवर दिवस' थाई माह के दूसरे दिन मनाया जाता है। राजा ने कहा, ''हमारा कैलेंडर सूर्य और मिट्टी पर आधारित है, न कि अंग्रेजी तारीखों पर।'' केंद्र सरकार पर हमला जारी रखते हुए राजा ने कहा, ''मैं समझ सकता हूं कि दिल्ली को तमिलनाडु और तमिल त्योहारों की जानकारी नहीं है। लेकिन यह स्पष्ट रूप से दिखाता है कि यहां तमिलनाडु में मौजूद लोग भी विभाजनकारी एजेंडे में इतने उलझ गए हैं कि वे तमिल संस्कृति और हमारे त्योहारों के अर्थ को ही भूल गए हैं।''

उन्होंने कहा, ''तमिल को औपचारिक प्रशंसा की जरूरत नहीं है। उसे ज्ञान और समझ की आवश्यकता है। और दिल्ली को इसकी शुरुआत वहीं से करनी चाहिए।'' इससे पहले बृहस्पतिवार को द्रमुक के वरिष्ठ नेता टी.के.एस. इलांगोवन ने भी पोंगल के बजाय तिरुवल्लुवर दिवस की शुभकामनाएं देने पर अमित शाह पर तीखा तंज कसते हुए कहा था कि इससे भाजपा नेतृत्व की तमिल संस्कृति के प्रति ''बेहद कमजोर'' समझ उजागर होती है।

बीएमसी चुनाव में मिटने वाली स्याही का उपयोग वोट चोरी का एक और परेशान करने वाला अध्याय' : सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने शुक्रवार को मीडिया में आई उन खबरों पर चिंता जताई जिनमें दावा किया गया था कि बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी)चुनाव के दौरान मतदाताओं की उंगली पर मिटने वाली स्याही लगाई गई थी। उन्होंने इसे वोट चोरी का एक और परेशान करने वाला 'अध्याय' बताया।

सिद्दरामय्या ने कहा कि लोकतंत्र तभी कायम रह सकता है जब हर वोट की शुचिता बनी रहे। उन्होंने कहा कि चुनावी सुरक्षा उपायों की विश्वसनीयता से समझौता नहीं किया जाना चाहिए। बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) के चुनाव नौ साल बाद बृहस्पतिवार को हुए और मतगणना शुक्रवार को की जा रही है। नतीजों और रुझानों में भाजपा-शिवसेना गठबंधन स्पष्ट बहुमत हासिल करती नजर आ रही है। सिद्दरामय्या ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''आज, बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) चुनावों को लेकर मीडिया में आई खबरें और सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में दिखाया गया है कि तथाकथित अमिट स्याही को सैनिटाइजर, एसीटोन और अन्य पदार्थों से आसानी से मिटाया जा रहा है, जिससे चुनावी विश्वसनीयता के बारे में गंभीर चिंताएं पैदा हो रही हैं और ये चिंताएं महाराष्ट्र और उससे बाहर भी गूंज रही हैं।''

उन्होंने कहा, ''यह कोई एकाकी गड़बड़ी नहीं है, बल्कि 'वोट चोरी' की व्यापक कहानी का एक और परेशान करने वाला अध्याय है, जहां वास्तविक सवालों का खंडन, टालमटोल या चुप्पी से जवाब दिया जाता है। लोकतांत्रिक संस्थानों में विश्वास कम होता जा रहा है।''

मुख्यमंत्री ने कहा, ''बुनियादी सुरक्षा उपायों को कमजोर करना और नागरिकों की चिंताओं को नजरअंदाज करना लोकतंत्र की रक्षा नहीं करता, बल्कि उसे नुकसान पहुंचाता है। निर्वाचन आयोग को अब पारदर्शिता, जवाबदेही और सुधारात्मक उपायों के साथ कार्रवाई करनी चाहिए।'' कांग्रेस अपने शीर्ष नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में कथित 'वोट चोरी' के खिलाफ देशव्यापी अभियान चला रही है। मुख्य विपक्षी पार्टी इस मुद्दे पर सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)और निर्वाचन आयोग को निशाना बना रही है।

भीड़ प्रबंधन के लिए आरसीबी का चिन्नास्वामी में एआई युक्त कैमरे लगाने का प्रस्ताव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु (आरसीबी) फ्रेंचाइजी ने एम चिन्नास्वामी स्टेडियम से आईपीएल मुकाबले छीने जाने से रोकने के लिए स्टेडियम में एआई (कृत्रिम बुद्धिमता) तकनीक से युक्त 300 से 350 कैमरे लगाने का प्रस्ताव दिया है और साथ ही उसने इस भीड़ प्रबंधन पहल के लिए आने वाला अनुमानित चार करोड़ 50 लाख रुपये का पूरा खर्चा उठाने की पेशकश की है। आरसीबी ने यह प्रस्ताव कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए) को एक आधिकारिक पत्र के जरिए से दिया है। फ्रेंचाइजी ने एक बयान में कहा, आरसीबी ने एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में 300 से 350 एआई से लैस कैमरे लगाने का प्रस्ताव दिया है। आरसीबी ने इस पहल की अनुमानित 4.50 करोड़ रुपये की पूरी एकमुश्त लागत उठाने की प्रतिबद्धता भी जताई है।

पहियों पर महिलाएं — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

प्रतिष्ठित स्वास्थ्य और जीवन शैली संगठन प्राणी 'हर्बालाइफ' भारत संगठन शिशु मंदिर संगठन सहयोग में उसका महत्वाकांक्षी 'प्रतिध्वनि पहियों पर महिलाएं योजना' मैसूरु में शुक्रवार से शुरु हुआ। इस योजना के तहत आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग की महिलाओं को न केवल ई-ऑटो उपलब्ध कराए जाएंगे, बल्कि उन्हें ड्राइविंग, लाइसेंसिंग, रखरखाव, डिजिटल उपकरणों के उपयोग, वित्तीय साक्षरता, आत्मरक्षा और बाजार संपर्क से संबंधित प्रशिक्षण भी प्रदान किया जाएगा। हर्बालाइफ इंडिया के रणनीति एवं कार्यान्वयन उपाध्यक्ष उदय प्रकाश, मैसूरु के कृष्णा राजा निर्वाचन क्षेत्र से विधायक टी.एस. श्रीवत्स, शिशु मंदिर के निदेशक आनंद सी, मैसूर नगर पुलिस आयुक्त श्रीमती सीमा लटकर (आईपीएस) और अन्य गणमान्य व्यक्ति इस अभियान की शुरुआत की।

सुविचार

बोलचाल एक इंसान का गहना है आकार, उम्र और परिस्थितियों के साथ बदलता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

साइबर ठगों की चाल को नाकाम करें

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने 'डिजिटल अरेस्ट' से जुड़े मामलों की जांच के लिए उच्च स्तरीय समिति गठित कर साइबर अपराध के इस तरीके के खिलाफ बड़ा कदम उठाया है। केंद्र सरकार और बैंकों द्वारा कई बार नागरिकों को सूचित किया जा चुका है कि डिजिटल अरेस्ट एक झूठ है। अगर कोई व्यक्ति या संगठन इसके नाम पर धमकाने की कोशिश करे तो उसकी बातों पर विश्वास नहीं करना चाहिए। इसके बावजूद लोग ठगी के शिकार हो रहे हैं। हाल में दिल्ली में एक बुजुर्ग दंपति को डिजिटल अरेस्ट कर 15 करोड़ रुपए की ठगी की गई। यह नए साल में साइबर अपराधियों द्वारा ठगी गई सबसे बड़ी रकम है। दोनों पीड़ित डॉक्टर हैं, वर्षों अमेरिका में रहे हैं, यूएन में नौकरी कर चुके हैं। साइबर अपराधियों ने उनकी ज़िंदगीभर की बचत ठग ली। इतने उच्च शिक्षित और जीवन का लंबा अनुभव रखने वाले लोग इतनी आसानी से साइबर ठगों के जाल में कैसे फंस गए? अखबारों, टीवी चैनलों, सोशल मीडिया पर ऐसे मुद्दे बहुत चर्चा में हैं। अगर उन्होंने खबरें पढ़ने के लिए थोड़ा समय निकाला होता तो इस नुकसान से बच जाते। साल 2023 से अब तक डिजिटल अरेस्ट के मामलों की बाढ़-सी आ गई है। साइबर अपराधी नकली पुलिस अधिकारी और जज बनकर मोबाइल फोन पर प्रकट होते हैं। उसके बाद धमकाने का सिलसिला शुरू होता है। हमारे देश में आम लोग पुलिस थानों और अदालतों से डरते हैं। इस डर का फायदा साइबर ठग उठा रहे हैं। थानों और अदालतों को देखकर लोगों के मन में सुरक्षा की भावना पैदा होनी चाहिए, लेकिन ऐसा नहीं हो रहा है। यह कहीं-न-कहीं व्यवस्था की कमी को दर्शाता है।

कई उच्च शिक्षित और जीवन का लंबा अनुभव रखने वाले लोगों को लगता है कि उन्हें सबकुछ पता है। वे अति-आत्मविश्वास के कारण साइबर ठगों के जाल में फंस जाते हैं। पिछले दिनों पंजाब के एक सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी, जो अपने जमाने में बहुत तेज-तर्रार माने जाते थे, को साइबर ठगों ने 8 करोड़ का चूना लगा दिया। मुंबई के एक सेवानिवृत्त बैंक अधिकारी ने 1.35 करोड़ रुपए गंवा दिए। ये दोनों मामले फर्जी निवेश योजनाओं के थे। हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर में एक सेवानिवृत्त सैनिक से साइबर अपराधियों ने 98 लाख रुपए ठग लिए। उन्हें 15 दिनों तक डिजिटल अरेस्ट रखा गया। चंडीगढ़ में एक बुजुर्ग को डिजिटल अरेस्ट कर 52 लाख रुपए ठग लिए। पीड़ितों को पुलिस, सीबीआई, ईडी और विभिन्न जांच एजेंसियों का डर दिखाकर जेल में डालने की धमकी दी गई थी। सबको मालूम होना चाहिए कि हमारे देश में डिजिटल अरेस्ट जैसा कोई कानूनी प्रावधान नहीं है। सोचिए, अगर किसी ने इतना गंभीर अपराध किया है कि पुलिस, सीबीआई, ईडी और कई एजेंसियों को उसकी तलाश है, तो क्या उसे सिर्फ डिजिटल अरेस्ट किया जाएगा? ऐसे खतरनाक अपराधी की भनक लगते ही एजेंसियां घर में घुसकर उसे गिरफ्तार करती हैं। एक और चौंकाने वाली बात यह है कि कई साइबर ठगों के पास लोगों का डेटा होता है। वे उसके आधार पर ठगी की साजिश रचते हैं। उन्हें पता है कि बीस-पच्चीस साल के युवाओं के पास ज्यादा रुपए नहीं होते, इसलिए ऐसे आयु वर्ग को निशाना बनाते हैं, जिसके पास अच्छी-खासी बचत होती है। सेवानिवृत्त लोग या तो डिजिटल अरेस्ट के नाम पर अपनी कमाई गंवा देते हैं या वे निवेश योजना के नाम पर झांसे में आते हैं। साइबर ठग हर साल कोई नया तरीका ढूंढ़ते हैं। केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा गठित उच्च स्तरीय समिति को यह बिंदु जरूर ध्यान में रखना चाहिए। जब 'डिजिटल अरेस्ट' पुराना हो जाएगा तो साइबर ठग कोई नया शिगूफा छोड़ेंगे। उनकी चाल को तकनीकी उपायों के जरिए पहले ही नाकाम कर देना चाहिए।

ट्वीटर टॉक

आदि शंकराचार्य जी ने सनातन संस्कृति को वैचारिक व तार्किक आधार देकर और अधिक व्यापक बनाया। चार मठों की स्थापना के माध्यम से उन्होंने ऐसी परंपरा विकसित की, जिससे युगों तक सनातन धर्म संरक्षित व संवर्धित रहे।

-अमित शाह

जोधपुर ट्रेड फैसिलिटेशन सेंटर में आयोजित जोधपुर हैंडीक्राफ्ट एक्सपो आर्टिफैक्ट्स के उद्घाटन समारोह में सहभागी बनकर ख़ुशी हुई। हैंडीक्राफ्ट क्षेत्र से जुड़े उद्यमियों से सार्थक संवाद इस अवसर की विशेषता रही। इस क्षेत्र में उभरती संभावनाओं और नवाचारों पर विचार-विमर्श हुआ।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

महाराणा प्रताप के तेज और मीराबाई की अनन्य भक्ति की साक्षी पुण्य धरा राजस्थान में देश की प्रथम नागरिक, परम आदरणीया राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी का जयपुर एयरपोर्ट पर पुष्पगुच्छ भेंट कर हार्दिक अभिनंदन और आत्मीय स्वागत किया।

-भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

फूलों से सीख

एक बगीचे में तरह-तरह के फूल खिले थे। एक युवक बगीचे के बागबान से प्रतिदिन कुछ फूल लेकर मंदिर में अर्पित करने जाया करता था। एक दिन माली ने पूछा, 'बेटे जानते हो यह फूल एक मौन संवाद हैं।' 'अच्छा! मगर कैसे?' युवक ने जानना चाहा। 'बेटे यह फूल हमको मौन भाषा में यह बताता है कि हमको अगर देवता के समीप जाना है तो अपना मन सुगन्धित करना होगा। फूल जैसी कोमलता और क्षणभंगुरता को सहज स्वीकार करना होगा। खिलना केवल औरों के लिए मगर शालीन बने रहना हमको फूल ही सिखाते हैं। इस तरह हंसकर जीना और देवत्व पर अर्पित हो जाना सीख लिया तो देवता पर फूल चढ़ाना सार्थक है।'

सामयिक

ममता यह जानते हुए कि वह अकेले मुस्लिम वोटों के आधार पर नहीं चुनी जा सकती हैं, उन्होंने हिंदू वोट के लिए तुष्टिकरण की राजनीति का सहारा लिया। इस साल के विधानसभा चुनाव में सरकार बनाने के भाजपा के दावे को अतिशयोक्ति के रूप में खारिज नहीं किया जा सकता है।

क्या ममता पर होगी बड़ी कार्रवाई?

अशोक भाटिया

मोबाइल : 9221232130

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कार्यवाही में ममता बनर्जी सरकार की कथित दखलंदाजी यदि अदालत में सिद्ध होती है, तो यह तृणमूल कांग्रेस सरकार के लिए गंभीर संवैधानिक संकट खड़ा कर सकती है। क्योंकि मुख्यमंत्री होने के नाते गिरफ्तारी से कोई संवैधानिक सुरक्षा नहीं मिलती और अगर एऊसाबित कर दे कि फाइल्स जांच से जुड़ी हैं, तो ममता पर बड़ी कार्रवाई हो सकती है। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सी। वी। आनंद बोस इस विषय को पहले ही संवैधानिक अधिकारों के उल्लंघन के रूप में चिन्हित कर चुके हैं। उनका यह कहना कि 'वे चुप नहीं बैठ सकते, संकेत देता है कि राजभवन इस पूरे घटनाक्रम को केवल राजनीतिक विवाद नहीं, बल्कि संवैधानिक प्रश्न मान रहा है। संविधान के तहत राज्यपाल केंद्र का प्रतिनिधि होता है और उसकी रिपोर्ट राष्ट्रपति शासन का आधार बन सकती है।

दरअसल, पश्चिम बंगाल की राजनीति पिछले डेढ़ दशक से केवल सत्ता परिवर्तन या चुनावी संघर्ष की कहानी नहीं रही है। 2011 में ममता बनर्जी के सत्ता में आने के बाद राज्य की राजनीति एक ऐसे दौर में दाख़िल हुई, जहां राज्य सरकार, राज्यपाल, न्यायपालिका और केंद्र सभी के बीच संबंध अक्सर तनावपूर्ण रहे। इसी कारण ममता बनर्जी के शासनकाल में कई बार ऐसा माहौल बना जब यह प्रश्न राष्ट्रीय बहस का हिस्सा बना कि क्या पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाया जा सकता है? हालांकि अब तक यह आशंका कभी वास्तविकता में नहीं बदली, लेकिन इसके पीछे की परिस्थितियां और टकराव बंगाल की समकालीन राजनीति को समझने के लिए अहम हैं। फ़िलहाल पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शनिवार को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में तृणमूल कांग्रेस की राजनीतिक सलाहकार आई-पैक के कोलकाता कार्यालय पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के छापे की कड़ी निंदा की। ममता बनर्जी ने दावा किया कि भाजपा तृणमूल कांग्रेस के आईटी सेल के प्रमुख और तृणमूल कांग्रेस के आईटी सेल के प्रमुख प्रतीक जैन के आवास पर छापा मारकर उनकी पार्टी के आंतरिक डेटा को जब्त करने की कोशिश कर रही है। जब ईडी ने कार्यालय पर छापा मारा तो ममता नाराज हो गईं। यह संभवत: पहली बार है जब किसी मुख्यमंत्री ने ईडी के छापे के विरोध में व्यक्तिगत रूप से किसी सलाहकार निकाय के कार्यालय का दौरा किया है। पार्टी के सांसदों ने दिल्ली में भी विरोध प्रदर्शन किया। अधिकारियों को इन आरोपों के खिलाफ विरोध करने का अधिकार होना चाहिए कि जांच तंत्र निष्पक्ष नहीं है; ईडी ने एनसीपी प्रमुख शरद पवार को भी नोटिस जारी किया था, जिन्होंने उन्हें बिना किसी आक्रामकता के ईडी कार्यालय में आने की चुनौती दी थी।रॉबर्ट वाड्रा से ईडी कई बार पूछताछ कर चुकी है। उन्हें घंटों बैठाया गया; लेकिन उनमें से किसी ने भी आक्रामक तरीके से काम नहीं किया। इस पृष्ठभूमि में, यह ममता ही हैं जो सत्ता में होने के बाद भी मार्च निकालती हैं, जिसे तात्कालिकता की राजनीति कहा जाता है।

पश्चिम बंगाल की राजनीति पर एक नज़र डालने से पता चलता है कि कांग्रेस पिछले पचास वर्षों में पहले की तरह सत्ता में नहीं आई है; लेकिन वामपंथियों ने कांग्रेस को सत्ता से छीन लिया और ममता ने वाम की सत्ता को चकनाचूर कर दिया। पिछले 15 वर्षों में, कांग्रेस और वाम कमजोर हो गए हैं और उनकी जगह भाजपा ने ले ली है। कांग्रेस अब शून्य पर है और 34 वर्षों तक शासन करने वाला वाम मोर्चा पिछले विधानसभा चुनावों में एक भी सीट नहीं जीत सका। इसके विपरीत, भाजपा 41 प्रतिशत वोट और 77 सीटों के साथ मुख्य विपक्षी दल के रूप में उभरी, हालांकि 2024 के लोकसभा चुनावों में भाजपा की संख्या 2019 की तुलना में कम थी। हालांकि, उनके 39 प्रतिशत वोट शेयर और 12 सीटें दर्शाती हैं कि उनके पास राज्य में तृणमूल कांग्रेस का एक मजबूत विकल्प है। ममता को शुरू में पश्चिम बंगाल में मुस्लिम वोट का समर्थन मिला था, जिसमें 29 प्रतिशत मुस्लिम मतदाता हैं।

ममता यह जानते हुए कि वह अकेले मुस्लिम वोटों के आधार पर नहीं चुनी जा सकती हैं, उन्होंने हिंदू वोट के लिए तुष्टिकरण की राजनीति का सहारा लिया। इस साल के विधानसभा चुनाव में सरकार बनाने के भाजपा के दावे को अतिशयोक्ति के रूप में खारिज नहीं किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने 2021 का चुनाव उसी आत्मविश्वास के साथ लड़ा था, जो तृणमूल कांग्रेस से पीछे रह गया था। पश्चिम बंगाल में 2021 की तुलना में राजनीतिक माहौल काफी बदल गया है। पड़ोसी बांग्लादेश की घटनाओं ने पूरे देश को प्रभावित किया। प्रभावित। पश्चिम बंगाल में लगभग 29 प्रतिशत मुस्लिम मतदाता तृणमूल कांग्रेस की ताकत हैं और भाजपा विरोधी, वामपंथी मतदाताओं का एक बड़ा हिस्सा तृणमूल कांग्रेस की ताकत है। सत्ता परिवर्तन तभी संभव है जब मुस्लिम वोट बैंक को झटका लगे या भाजपा के पक्ष में हिंदू वोट का व्यापक ध्रुवीकरण हो। पिछले कुछ वर्षों में, वाम मोर्चे और बाद में ममता बनर्जी सरकार के दौरान बांग्लादेश से घुसपैठ पश्चिम बंगाल के बाहर के घुसपैठियों के 24 परगना क्षेत्रों में वितरित आधार कार्ड और मतदाता पहचान पत्र की घुसपैठ में पाई गई है यह साबित हो चुका है।

हाल ही में शाह ने कहा था कि पश्चिम बंगाल के चारों ओर घेराबंदी की जाएगी ताकि कोई घुसपैठिया अंदर न आ सके। सवाल यह है कि पिछले दस सालों में किसने उनके हाथ बांधे थे। लेकिन शाह घुसपैठियों को रोकने की कोशिश करने के बजाय सीमा पर बाड़ लगाने में ममता को चित्रित करने में अधिक रुचि रखते हैं। मुस्लिम वोटों को मजबूत करने की कोशिश में, ममता वही कदम उठाती दिख रही हैं जिनका वह वामपंथी शासन के दौरान विरोध करती थीं। विशेष रूप से हिंदुओं के खिलाफ हिंसा और बांग्लादेश में बढ़ते चरमपंथ ने हिंदू मतदाताओं को पुनर्विचार करने के लिए मजबूर कर दिया है। इस पृष्ठभूमि में हुमायूं कबीर ने मुर्शिदाबाद में बाबरी मस्जिद की आधारशिला रखी। हर शुक्रवार को वहां सामूहिक सभा और भारी मात्रा में धन की आमद ने हिंदू मतदाताओं के बीच पुनर्विचार की भावना पैदा की है। दूसरी ओर, ममता मुस्लिम वोटों के विभाजन का शिकार होंगी। पिछले विधानसभा चुनाव में ममता ने खुद को धर्मनिष्ठ हिंदू के रूप में पेश करने के लिए मंच से चंडी मठ का पाठ किया था। इस बार भी ऐसे संकेत मिल रहे हैं कि वह चुनाव से पहले सिलीगुड़ी में दुर्गा आंगन और महाकाल मंदिर निर्माण की घोषणा करेंगी।

इसलिए आंशिक ध्रुवीकरण की रणनीति ममता बनर्जी द्वारा अपनाई जा रही है। ममता सरकार के दौरान सामने आए राज्य प्रायोजित भ्रष्टाचार के मामले, विपक्ष का दमन, आरजी कार मेडिकल कॉलेज से लेकर संदेशखली तक महिलाओं के शोषण के आरोप, मुस्लिम कट्टरवाद को बढ़ावा देना, बेरोजगारी, पलायन और धीमी ग्रोथ ये सभी मुद्दे तृणमूल कांग्रेस के खिलाफ जा रहे हैं। नतीजतन, भाजपा इस बार उन्हें चुनौती देने के लिए तैयार नजर आ रही है। इसके साथ ही ममता बनर्जी के शासनकाल में राष्ट्रपति शासन की आशंका बार-बार इसलिए उभरती है। पश्चिम बंगाल की राजनीति आज सत्ता और विपक्ष के संघर्ष से आगे बढ़कर संवैधानिक संस्थाओं के बीच संतुलन की परीक्षा बन चुकी है। ममता बनर्जी का शासन विवादों, टकरावों और आरोपों से घिरा रहा। फिर भी, ममता बनर्जी को मिला प्रचंड जनादेश मिला। और खास बात यह की इतनी टकराव के बाद भी अभी तक ममता बनर्जी के शासनकाल में पश्चिम बंगाल में एक बार भी राष्ट्रपति शासन नहीं लगा। हालिया विवाद में भी यही लग रहा कि बंगाल में राष्ट्रपति शासन सिर्फ एक राजनीतिक आशंका भर है। राष्ट्रपति शासन लगाने का निर्णय शायद ही हो पाए।

नजरिया

आवारा कुत्तों पर सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी

राजेश माहेश्वरी

बीते नवंबर को सुप्रीम कोर्ट के सामने 24 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने एक एफिडेविट दायर की है, जिसमें उन्होंने बताया है कि उनके यहां कितने शेल्टर होम हैं और उन्होंने कितने आवारा कुत्तों की नसबंदी और टीकाकरण की है। दिल्ली में 20 जानवरों के लिए 'एनिमल बर्थ कंट्रोल सेंटर' हैं। ये 'एनिमल बर्थ कंट्रोल' नियम के तहत बनाए जाते हैं। पिछले छह महीनों में हर सेंटर पर रोज़ाना 15 आवारा कुत्तों की नसबंदी और उनका टीकाकरण हुआ है। महाराष्ट्र में सबसे ज़्यादा ऐसे एनिमल बर्थ कंट्रोल सेंटर है। पूरे राज्य में 236 ऐसे सेंटर हैं। वहीं, उत्तर प्रदेश के 17 शहरों में ऐसे सेंटर हैं और बिहार में एक भी ऐसा सेंटर नहीं है, लेकिन कुत्तों के लिए 16 जगहों पर व्यवस्था है।

देश के शहर और ग्रामीण इलाकों में आवारा कुत्तों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। यूपी के संतकबीरनगर जिले में जनवरी 2026 के शुरुआती 13 दिनों में ही जिले के विभिन्न अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों पर कुत्तों के हमले के कारण 1050 से अधिक घायल लोग इलाज के लिए पहुंच चुके हैं। बीती 8 जनवरी को राजधानी दिल्ली के द्वारका सेक्टर-19 में आवारा कुत्तों के झुंड ने एक 65 वर्षीय बुजुर्ग पर जानलेवा हमला किया, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। 14 जनवरी को हरियाणा के करनाल में एक बच्चे पर कुत्तों के झुंड ने हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। दिसंबर 2025 में हरियाणा के नूंह जिले के तावडू क्षेत्र में तीन दिनों में ही 58 लोग अवारा कुत्तों के काटने का शिकार हुए। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में प्रतिदिन औसतन 30 से 50 डॉग बाइट के मामले सामने आ रहे हैं। ये घटनाएं देश में कुत्तों के बढ़ते आतंक और प्रशासनिक उदासीनता को उजागर करती है, जिस पर सुप्रीम कोर्ट भी चिंता जता चुका है।

केंद्रीय मछली पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री राजीव रंजन सिंह ऊर्फ ललन सिंह ने कुत्ता काटने की समस्या को लेकर बीते साल चार फरवरी को लोकसभा में जानकारी दी थी। उन्होंने डीएमके के अरुण नेहरू के सवाल के जवाब में बताया था कि जनवरी 2024 से दिसंबर 2024 तक देश के ग्रामीण इलाकों में कुत्ता काटने की कुल 21 लाख 95 हजार 122 घटनाएं दर्ज की गई थीं। उन्होंने बताया था कि देश के ग्रामीण इलाकों में कुत्तों के काटने से 37 इंसानों की मौत के मामले दर्ज किए गए हैं। वहीं दूसरे जानवरों के काटने की पांच लाख चार हजार 728 मामले दर्ज किए गए थे। इन जानवरों के काटने से 11 लोगों की मौत होने की जानकारी सरकार ने लोकसभा में दी थी। सरकार ने बताया था कि इस दौरान आवारा कुत्तों ने 15 साल से कम आयु के पांच लाख 19 हजार 704 बच्चों को काटा था।

बीती 13 जनवरी को आवारा कुत्तों के मामले की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकारों को कड़ी चेतावनी दी है। सुनवाई के दौरान जस्टिस विक्रम नाथ ने प्रशासन की निष्क्रियता पर तीखी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि अधिकारियों की लापरवाही की वजह से यह समस्या हजार गुना बढ़ चुकी है। कोर्ट के मुताबिक, अगर समय रहते ठोस कदम उठाए जाते, तो हालात इतने गंभीर नहीं होते। जस्टिस नाथ ने कहा कि हर उस मामले में, जहां कुत्तों के काटने से बच्चों या बुजुर्गों को चोट लगती है या उनकी जान जाती है, वहां राज्य सरकार को जवाबदेह ठहराया जाएगा। उन्होंने यह भी जोड़ा कि जो लोग सड़कों पर कुत्तों को खाना खिलाते हैं, उनकी भूमिका और जिम्मेदारी भी तय की जानी चाहिए।

कोर्ट की टिप्पणी यहीं नहीं रुकी। जस्टिस विक्रम नाथ ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि अगर किसी को कुत्तों से इतना लगाव है, तो उन्हें अपने घर में रखें। सड़कों पर छोड़कर आम लोगों को डराने या काटने की स्थिति पैदा करना स्वीकार्य नहीं है। अदालत ने माना कि सार्वजनिक सुरक्षा से जुड़ा यह मसला भावनाओं से नहीं, ठोस नीति और प्रशासनिक कार्रवाई से सुलझाया जाना चाहिए। यह टिप्पणी उस समय आई जब वरिष्ठ वकील मेनका गुरुस्वामी दो पशु-कल्याण ट्रस्टों की ओर से दलीलें रख रही थीं। उन्होंने इस मुद्दे को भावनात्मक बताते हुए कहा कि समाधान मानवीय होना चाहिए। इस पर जस्टिस संदीप मेहता ने टिप्पणी की कि अब तक भावनाएं सिर्फ कुत्तों के लिए ही दिख रही हैं। जवाब में गुरुस्वामी ने कहा कि वह इंसानों की सुरक्षा को लेकर भी उतनी ही चिंतित हैं।

सुनवाई के दौरान अदालत ने यह भी साफ किया कि वह लंबी बहस नहीं, बल्कि ठोस आदेश देना चाहती है। जस्टिस नाथ ने कहा कि हर कोई एक ही बात दोहरा रहा है, जबकि अब प्रशासन को जवाबदेह ठहराने की जरूरत है ताकि कोई प्रक्रिया शुरू हो सके। जस्टिस मेहता ने यहां तक कहा कि कोर्टरूम को सार्वजनिक मंच बना दिया गया है, जबकि यह न्यायिक कार्यवाही का स्थान है। सुप्रीम कोर्ट ने सभी राज्य सरकारों को फटकार लगाते हुए कहा कि उन्होंने एनिमल बर्थ कंट्रोल यानी एबीसी नियमों को लागू करने में पूरी तरह नाकामी दिखाई है। पीठ ने कहा कि यह समस्या दशकों से चली आ रही है और केंद्र व राज्यों की विफलता के कारण यह कई गुना बढ़ चुकी है। सुप्रीम कोर्ट ने चेताया कि हर उस पुरुष, महिला और बच्चे की मौत के लिए, जिसकी जान कुत्ते के काटने से गई है, जिम्मेदार सरकार पर भारी मुआवजा लगाया जाए। इससे पहले 8 जनवरी की सुनवाई में भी सुप्रीम कोर्ट ने एबीसी नियमों के कमजोर क्रियान्वयन पर चिंता जताई थी और डॉग लवर्स को 'हकीकत से दूर' बताया था।

इस मामले पर पिछले 7 महीनों में छह बार सुनवाई हो चुकी है। पिछले साल 7 नवंबर को सुप्रीम कोर्ट ने स्कूलों, अस्पतालों, बस स्टैंड, स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स और रेलवे स्टेशनों से आवारा कुत्तों को हटाने का आदेश दिया था। इसके साथ ही कोर्ट ने कहा था कि इन जानवरों को तय शेल्टर में ट्रांसफर किया जाए। वहीं, कोर्ट ने सरकारी और सार्वजनिक स्थानों में कुत्तों को प्रवेश न देने के लिए कहा था। सर्वोच्च न्यायालय के इस आदेश का कई लोगों ने विरोध किया था। सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि स्कूल, अस्पताल, खेल परिसर, बस स्टैंड और रेलवे स्टेशन जैसी जगहों पर कुत्तों के काटने की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। और कहा कि यह प्रशासन की उदासीनता और सिस्टम की नाकामी को दर्शाती हैं। इससे लोगों की सुरक्षा, पर्यटन और भारत की अंतरराष्ट्रीय छवि पर भी बुरा असर पड़ रहा है। कोर्ट ने कहा कि साल दर साल आवारा कुत्तों की लोगों को काटने की घटनाएं बढ़ रही हैं। सरकारी डेटा के मुताबिक 2023 में देश भर में 30 लाख के करीब ऐसी घटनाएं हुई, और 2024 में क़रीब 37 लाख ऐसी घटनाएं।

बीते नवंबर को सुप्रीम कोर्ट के सामने 24 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने एक एफिडेविट दायर की है, जिसमें उन्होंने बताया है कि उनके यहां कितने शेल्टर होम हैं और उन्होंने कितने आवारा कुत्तों की नसबंदी और टीकाकरण की है। दिल्ली में 20 जानवरों के लिए 'एनिमल बर्थ कंट्रोल सेंटर' हैं। ये 'एनिमल बर्थ कंट्रोल' नियम के तहत बनाए जाते हैं। पिछले छह महीनों में हर सेंटर पर रोज़ाना 15 आवारा कुत्तों की नसबंदी और उनका टीकाकरण हुआ है। महाराष्ट्र में सबसे ज़्यादा ऐसे एनिमल बर्थ कंट्रोल सेंटर है। पूरे राज्य में 236 ऐसे सेंटर हैं। वहीं, उत्तर प्रदेश के 17 शहरों में ऐसे सेंटर हैं और बिहार में एक भी ऐसा सेंटर नहीं है, लेकिन कुत्तों के लिए 16 जगहों पर व्यवस्था है।

सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणियों से यह साफ है कि अदालत इस गंभीर सामाजिक समस्या पर केवल बहस नहीं, बल्कि ठोस दिशा-निर्देश देना चाहती है। सड़कों पर बढ़ते कुत्तों के हमले, प्रशासन की सुस्ती और आम लोगों की सुरक्षा, इन सभी पहलुओं को संतुलित करते हुए कोर्ट का अगला आदेश अहम माना जा रहा है। अब यह देखना होगा कि राज्य सरकारें इस चेतावनी को कितनी गंभीरता से लेती हैं और जमीनी स्तर पर क्या ठोस कदम उठाए जाते हैं।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

प्रदर्शन

अमृतसर में शुक्रवार को महात्मा गांधी नेशनल रूरल एम्प्लॉयमेंट गारंटी एक्ट का नाम बदलने, कथित किसान विरोधी नीतियों और खेती से जुड़े कई दूसरे मुद्दों को लेकर अमृतसर में किसानों ने केंद्र सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया।

ईरान के लोगों को अमेरिका, इजराइल की 'चालों' के खिलाफ एकजुट होना चाहिए : महबूबा मुफ्ती

श्रीनगर/भाषा। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने शुक्रवार को ईरान के लोगों से अमेरिका और इजराइल की ''चालों'' को विफल करने के लिए एकजुट होने का आह्वान किया और इस्लामी गणराज्य के नेतृत्व से वहां प्रदर्शनकारियों की शिकायतों का समाधान करने की अपील की।

जम्मू कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री मुफ्ती ने यहां संवाददाताओं से कहा कि अमेरिका की आदत है कि वह संसाधनों पर नजर रखकर दूसरे देशों में हस्तक्षेप करता है। उन्होंने कहा, ''अमेरिका की यह कहने की आदत है कि वह दूसरे देशों में नेतृत्व को हटाकर वहां लोकतंत्र स्थापित करना चाहता है... जो पूरी तरह गलत है। असल में, अमेरिका हमेशा हस्तक्षेप करना चाहता है, क्योंकि उसकी नजर ईंधन जैसे संसाधनों पर रहती है।'' उन्होंने कहा कि अमेरिका ने यह दावा करते हुए कि कई मुस्लिम देशों को तबाह कर दिया कि उन देशों में लोगों के खिलाफ 'अत्याचार' किए जा रहे हैं। उन्होंने शुक्रवार की नमाज के बाद कश्मीर के कई हिस्सों में हुए प्रदर्शनों का जिक्र करते हुए कहा, ''हालांकि, गाजा में लोगों के खिलाफ सबसे ज्यादा अत्याचार हो रहे हैं, लेकिन अमेरिका वहां हस्तक्षेप नहीं करता। मुझे खुशी है कि जम्मू कश्मीर, खासकर कश्मीर में लोग ईरान के समर्थन में सड़कों पर उतरे।''

मुफ्ती ने ईरान के लोगों से अमेरिका और इजराइल की योजनाओं को समझने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, ''मुझे उम्मीद है कि ईरान के लोग समझेंगे कि अमेरिका और इजराइल किसी के मित्र नहीं हैं, बल्कि मुसलमानों के सबसे बड़े दुश्मन हैं। उनकी नजर इन देशों में मौजूद पेट्रोल और अन्य संसाधनों पर है।''

पीडीपी प्रमुख ने कहा कि अगर ईरान के लोग अमेरिका और इजराइल की चालों में फंस गए, तो उनकी हालत सीरिया से भी बदतर हो जाएगी। उन्होंने कहा कि हर किसी को अपनी सरकार से शिकायतें होती हैं और शासन को भी उन शिकायतों का समाधान करना चाहिए, ''लेकिन ईरान के लोगों को समझना चाहिए और अमेरिका और इजराइल की चालों को मात देने के लिए एकजुट होना चाहिए।''

ईरान और भारत के संबंधों का जिक्र करते हुए पीडीपी अध्यक्ष ने कहा कि अतीत की तरह ही पूरे देश में इस्लामी गणराज्य के समर्थन में प्रदर्शन होने चाहिए।

बातचीत

सोनू कश्यप के परिवार के सदस्य शुक्रवार को उत्तर प्रदेश के मेरठ में सोनू की कथित हत्या को लेकर मेरठ कमिश्नरेट में आयोजित महापंचायत के दौरान मीडिया से बातचीत करते हुए।

ट्रंप समर्थक अमेरिकी भी उनकी आर्थिक नीतियों से नाखुश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

न्यूयॉर्क/एपी। अमेरिका के राष्ट्रपति पद पर दूसरी बार काबिज हुए डोनाल्ड ट्रंप कुछ ही दिनों में मौजूदा कार्यकाल का एक साल पूरा करने जा रहे हैं लेकिन आर्थिक मोर्चे पर लिए गए फैसलों से स्वयं उनकी पार्टी के लोग भी संतुष्ट नजर नहीं आ रहे हैं। इसका संकेत एपी-एनओआरसी सर्वेक्षण में मिला है।एसोसिएटेड प्रेस-एनओआरसी सेंटर फॉर पब्लिक अफेयर्स रिसर्च के सर्वेक्षण में सामने आया है कि ट्रंप के पहले कार्यकाल में उनकी आर्थिक नीतियों से प्रसन्न रहने वाले भी अब असंतुष्ट हैं और उनका मानना है कि राष्ट्रपति अपने फैसलों से हतप्रभ करने के स्तर तक उथल-पुथल पैदा कर रहे हैं। सर्वेक्षण में शामिल केवल 16 प्रतिशत रिपब्लिकन समर्थकों का कहना है कि ट्रंप ने जीवनयापन की लागत को कम करने में कम से कम 'थोड़ा' योगदान दिया है, जबकि 2024 के सर्वेक्षण में यह आंकड़ा 79 प्रतिशत था। जबकि अप्रैल 2024 में एपी-एनओआरसी के ही सर्वेक्षण में ऐसा मानने वालों का आंकड़ा 49 प्रतिशत था।

हालांकि, रिपब्लिकन पार्टी के सदस्य आव्रजन के मुद्दे पर राष्ट्रपति के साथ नजर आते हैं। इस सर्वेक्षण में 10 में से केवल चार रिपब्लिकन ने कहा कि ट्रंप ने अपने दूसरे कार्यकाल में जीवन यापन की लागत को कम करने में कम से कम 'थोड़ा' योगदान दिया है, जबकि 2024 के सर्वेक्षण में यह आंकड़ा 79 प्रतिशत था।

हरिद्वार में हर की पौड़ी में 'अहिंदू निषेध क्षेत्र' लिखे बोर्ड लगाए गए

हरिद्वार/भाषा। उत्तराखंड में हरिद्वार कुंभ क्षेत्र को हिंदू क्षेत्र घोषित करने तथा उसके तहत आने वाले सभी धार्मिक स्थानों और गंगा घाटों को गैर हिंदू प्रवेश के लिए प्रतिबंधित किए जाने की मांग के बीच शुक्रवार को हर की पौड़ी में 'अहिंदू निषेध क्षेत्र' लिखे बोर्ड लगा दिए गए।

हर की पौड़ी समेत आसपास के घाटों का प्रबंधन और रखरखाव करने वाली संस्था गंगा सभा ने इस प्रकार का बोर्ड हर की पौड़ी क्षेत्र में प्रवेश करने वाले सभी रास्तों, पुलों की रेलिंग और खंभों पर लगा दिया है।

वैसे मुख्य स्नान घाट हर की पौड़ी समेत आसपास का क्षेत्र हरिद्वार नगर पालिका अधिनियम 1916 के अनुसार पहले ही गैर हिंदू प्रवेश के लिए प्रतिबंधित है।

लेकिन तीन दिन पूर्व कंदूरा (अरब के शेखों का लिबास) पहनकर दो युवकों के हर की पौड़ी क्षेत्र में घूमने का वीडियो वायरल होने के बाद गंगा सभा ने ये बोर्ड लगा दिए हैं। हालांकि, बाद में पता चला कि ये दोनों युवक हिंदू थे और अपने यूट्यूब चैनल के लिए वीडियो बनाने आए थे।

गंगा सभा ने अगले साल होने वाले अर्धकुंभ से पहले पूरे हरिद्वार कुंभ क्षेत्र में आने वाले सभी धार्मिक स्थानों, मंदिरों और गंगा घाटों को गैर हिंदुओं के लिए प्रतिबंधित करने की मांग उठाई है जिस पर उत्तराखंड सरकार भी गंभीरतापूर्वक विचार कर रही है।

कंदूरा प्रकरण के बाद गंगा सभा ने सरकारी विभागों के अधिकारियों, अन्य संस्थाओं तथा मीडिया संस्थानों से भी अपील की थी कि वे अपने गैर हिंदू कर्मचारियों को इस क्षेत्र में नियुक्त नहीं करें । उन्होंने इसे क्षेत्र की मर्यादा और पवित्रता बनाए रखने के लिए इसे जरूरी बताया था ।

नए बोर्ड लगाए जाने के बारे में गंगा सभा के अध्यक्ष नितिन गौतम ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''हरिद्वार नगर पालिका उपनियम 1916 के अनुसार, हरकी पौड़ी क्षेत्र में गैर हिंदू व्यक्ति का प्रवेश पूरी तरह से प्रतिबंधित है। इस उपनियम के बारे में सभी को जानकारी देने के लिए इस तरह का बोर्ड लगाया गया है।'

इंसानियत और धैर्य पर दिव्या दत्ता का संदेश, सबका हक बरकरार है

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड की जानी-मानी अभिनेत्री दिव्या दत्ता अपने शानदार अभिनय के साथ-साथ सोशल मीडिया पर भी लोगों के दिलों में जगह बनाती हैं। वे अक्सर अपने पोस्ट्स के जरिए जीवन के गहरे मायने और महत्वपूर्ण संदेश शेयर करती रहती हैं। दिव्या दत्ता ने मंगलवार को इंस्टाग्राम पर एक खास वीडियो शेयर किया, जिसके साथ उन्होंने सह-अस्तित्व पर गहरी बात की। उन्होंने वीडियो पोस्ट कर लिखा, अगर हम चाहें तो सब लोग एक साथ, एक ही जगह पर मिल-जुलकर रह सकते हैं। सबका हक बरकरार है, क्योंकि ऊपर वाले ने सबको समान अधिकार दिए हैं। अगर हम थोड़े धैर्य और सहनशीलता के साथ चीजों को संभालें तो हर समस्या का हल निकल सकता है। अभिनेत्री ने आगे लिखा, हम इंसान इस दुनिया में अकेले नहीं हैं। हमें यह नहीं सोचना चाहिए कि जो हमें पसंद है वही रहेगा और जो पसंद नहीं है उसे हटा देंगे। उम्मीद और दुआ है कि सब कुछ ठीक होगा। मुझे पूरा भरोसा है कि अच्छा ही होगा।दिव्या दत्ता की यह पोस्ट फैंस को काफी पसंद आ रही है। वे कमेंट सेक्शन पर हार्ट और फायर इमोजी के साथ प्रतिक्रिया दे रहे हैं। दिव्या का यह संदेश है कि समाज में अलग-अलग विचारों, संस्कृतियों और जीवनशैलियों के बीच तालमेल बिठाना चुनौतीपूर्ण हो जाता है। उन्होंने सह-अस्तित्व की बात करके यह संदेश दिया है कि आपसी समझ, धैर्य और सम्मान से ही हम एक बेहतर समाज बन सकते हैं। दिव्या दत्ता ने इस संदेश से एक बार फिर साबित किया कि वे सिर्फ एक अच्छी अभिनेत्री ही नहीं, बल्कि एक संवेदनशील और जागरूक इंसान भी हैं। अभिनेत्री को पिछली बार फिल्म छावा में देखा गया था।

'साहस अक्सर अकेला होता है', 'मर्दानी 3' के जरिए रानी मुखर्जी ने पुलिसकर्मियों को किया सलाम

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड की वरिष्ठ अभिनेत्री रानी मुखर्जी ने तीन दशकों से ज्यादा के अपने फिल्मी करियर में एक खास मुकाम हासिल किया है। इन दिनों वह 'मर्दानी 3' को लेकर चर्चा में हैं। 'मर्दानी' फ्रेंचाइजी को दर्शक अभी तक काफी पसंद करते आए हैं। इसमें रानी का पुलिस इंस्पेक्टर शिवानी शिवाजी रॉय का किरदार लोगों के दिलों में बसा हुआ है, ऐसे में वे उन्हें एक बार फिर उसी किरदार में देखने को काफी उत्सुक हैं। पुलिस प्रशासन की चुनौतियों और समर्पण के बारे में रानी मुखर्जी ने कहा, ''मैंने शिवानी के किरदार के जरिए पुलिस प्रशासन के असली साहस को महसूस किया। मैंने देखा है कि साहस अक्सर अकेला होता है और जो लोग कठिन परिस्थितियों में सही काम करते हैं, उन्हें बहुत बार अकेले ही उसका सामना करना पड़ता है। शिवानी मेरे लिए सिर्फ एक फिल्म का किरदार नहीं है, बल्कि यह मेरी जिंदगी का अहम हिस्सा है, जो हमेशा मेरे साथ होता है। मैं इसकी सोच और व्यवहार को महसूस करती हूं।'' उन्होंने कहा, ''मर्दानी फ्रेंचाइजी मेरे लिए पुलिसकर्मियों के प्रति सम्मान और सलाम का जरिया है। मैं भारतीय पुलिस बल की सराहना करती हूं कि वे हर दिन कठिन परिस्थितियों में डटे रहते हैं। किसी शिकायत या पुरस्कार की उम्मीद के बिना देश की सेवा करते हैं।''

'मर्दानी 3' के ट्रेलर पर सामने आ रही दर्शकों की प्रतिक्रिया पर रानी ने कहा, ''देश के लोग सामाजिक अपराधों के खिलाफ आवाज उठाने के लिए हमेशा तैयार हैं। लोगों का उत्साह और प्यार यह दिखाता है कि हम गलत के खिलाफ गुस्सा और सही काम के लिए गर्व महसूस करते हैं। हमारी फिल्म का उद्देश्य केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि समाज में जागरूकता फैलाना भी है।'' 'मर्दानी 3' में इस बार कहानी ज्यादा डरावनी और झकझोर देने वाली है।

हाल ही में फिल्म का ट्रेलर रिलीज किया गया। ट्रेलर की शुरुआत एक मासूम बच्ची के किडनैप वाले सीन से होती है, जिसके बाद खुलासा होता है कि शहर में लगातार बच्चियों के अपहरण हो रहे हैं। प्रशासन बेबस नजर आता है और हालात बेकाबू होते दिखते हैं।

ऐसे में इस गंभीर केस को सुलझाने की जिम्मेदारी एक बार फिर साहसी पुलिस अधिकारी शिवानी शिवाजी रॉय को सौंपी जाती है। रानी मुखर्जी अपने इसी दमदार किरदार में लौट रही हैं। फिल्म का निर्देशन अभिराज मीनावाला ने किया है और इसे यश राज फिल्म्स के बैनर तले आदित्य चोपड़ा ने प्रोड्यूस किया है। यह फिल्म 30 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

कॉन्वोकेशन

कोलकाता में सेंट जेवियर्स कॉलेज के 19वें कॉन्वोकेशन और वेलेडिक्टरी सेरेमनी के दौरान छात्र।

किसी को बुरा दिखाकर अच्छा नहीं बन सकतेम : सोनल चौहान

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड में पेड नेगेटिव पीआर और सोशल मीडिया ट्रोलिंग अब एक बड़ी समस्या बन चुकी है। कई एक्टर्स इस तरह की जानबूझकर फैलाई जा रही नकारात्मकता से परेशान हैं। इसी बीच अभिनेत्री सोनल चौहान ने इस मुद्दे पर खुलकर बात की और कहा कि किसी को नीचा दिखाकर कोई खुद ऊपर नहीं उठ सकता। सोनल का मानना है कि बॉलीवुड में कॉम्पिटिशन तो होनी चाहिए, लेकिन वह सकारात्मक और रचनात्मक हो। ट्रोलिंग और पेड नेगेटिविटी से न सिर्फ एक्टर्स की मानसिक शांति प्रभावित होती है, बल्कि उनके काम और मेहनत पर भी बुरा असर पड़ता है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर किए पोस्ट के जरिए अपनी राय रखी। उन्होंने कहा, एक्टर्स के खिलाफ चल रही ये पेड पीआर अब बंद होनी चाहिए। इतनी नेगेटिविटी की कोई जरुरत नहीं है। किसी को बुरा दिखाकर कोई अच्छा नहीं बन सकता। हम एक-दूसरे के लिए खुश क्यों नहीं हो सकते? सब बहुत मेहनत करते हैं, अगर हम सपोर्ट करें, तो इंडस्ट्री का माहौल बहुत बेहतर हो सकता है। हमें बस थोड़ा सकारात्मक रहना है। सोनल से पहले कई एक्टर्स पेड नेगेटिव पीआर के खिलाफ आवाज उठाते दिखे। तारा सुतारिया ने हाल ही में बताया कि उनके खिलाफ पेड नेगेटिव पीआर चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि झूठी अफवाहें और ट्रोलिंग से उनका मानसिक स्वास्थ्य प्रभावित हो रहा है। वे चाहती हैं कि लोग उनके काम पर फोकस करें, न कि बनाई हुई कहानियों पर। यामी गौतम ने भी पेड हाइप और नेगेटिव कैंपेन को इंडस्ट्री के लिए खतरनाक बताया। उन्होंने कहा कि यह एक तरह की वसूली है, जो धीरे-धीरे दीमक की तरह पूरी इंडस्ट्री को खा जाएगी। इसके साथ ही उन्होंने इंडस्ट्री से इस कल्चर को खत्म करने की अपील की। ऋतिक रोशन ने पेड पीआर पर गहरा बयान दिया।

'राहु केतु' के निर्माता सूरज सिंह के अनुसार फैंटेसी तब काम करती है, जब वह भावनात्मक रूप से सच्ची लगे

मुंबई/एजेन्सी

भारतीय सिनेमा में एक अलग पहचान बना रहे बीलाइव प्रोडक्शंस के निर्माता सूरज सिंह, ऐसी कहानियों का समर्थन करते हैं, जो परंपरागत सोच को चुनौती दे, लेकिन साथ ही दर्शकों से भावनात्मक रूप से जुड़ी भी रहे। फिलहाल उनकी आगामी फिल्म 'राहु केतु' उनके इसी दृष्टिकोण का सशक्त उदाहरण है, जो एक हाई-कॉन्सेप्ट फैंटेसी ड्रामा होने के बावजूद भव्य कल्पनाशील दुनिया को मानवीय भावनाओं के साथ संतुलित करता है। फिलहाल पारंपरिक पौराणिक फॉर्मूलों पर निर्भर रहने के बजाय, सूरज सिंह एक ऐसी सिनेमैटिक दुनिया गढ़ने पर ध्यान दे रहे हैं, जो नई और पूरी तरह कहानी-केंद्रित हो। यही वजह है कि उन्होंने 'राहु केतु' के ज़रिए दर्शकों को ऐसी भव्यता देने की कोशिश की है, जो कहानी को मनोरंजक बनाने के साथ-साथ भावनात्मक रूप से भी गहराई से जोड़े। अपने क्रिएटिव दर्शन को साझा करते हुए सूरज सिंह कहते हैं कि उनके लिए हाई-कॉन्सेप्ट सिनेमा का मतलब केवल जटिलता नहीं है। वे कहते हैं, फैंटेसी तब काम करती है, जब वह भावनात्मक रूप से सच्ची लगे, भले ही उसकी दुनिया असली न हो। उनके अनुसार, दर्शक भले ही थिएटर में विज़ुअल भव्यता के लिए आते हों, लेकिन वे फिल्म से जुड़े रहते हैं उसकी भावनाओं की वजह से।

वह मानते हैं कि हाई-कॉन्सेप्ट स्टोरीटेलिंग में दर्शकों को डर, प्यार, उम्मीद या संघर्ष जैसी जानी-पहचानी भावनाओं का अनुभव होना चाहिए, चाहे कहानी किसी भी काल्पनिक परिवेश में क्यों न रची गई हो। यही संतुलन फिल्मों को यादगार बनाता है और उन्हें ओपनिंग वीकेंड से आगे भी दर्शकों के दिलों में बनाए रखता है। बीलाइव प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित 'राहु केतु' 16 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज़ होने जा रही है। सूरज सिंह बीलाइव प्रोडक्शंस की प्रमुख शक्ति हैं और बालाजी टेलीफिल्म्स में टीवी, फिल्म्स और इंटरनेशनल बिज़नेस डिविज़न का नेतृत्व कर रहे हैं। उनके नेतृत्व में बीलाइव प्रोडक्शंस ने काजोल, विशाल जेठवा, राजीव खंडेलवाल और आमिर खान अभिनीत 'सलाम वेंकी' जैसी सराही गई फिल्म का निर्माण किया है, जिसका निर्देशन रेवती ने किया था। फिलहाल कंपनी की आगामी फिल्मों में 'राहु केतु' शामिल है, जिसका निर्देशन 'फुकरे' के निर्माता विपुल विग ने किया है और इसमें पुलकित सम्राट, वरुण शर्मा, चंकी पांडे, शालिनी पांडे, अमित सियाल और पियूष मिश्रा जैसे दमदार कलाकार हैं। इसके अलावा, बीलाइव की आगामी फिल्मों में परेश रावल और अनंत जोशी जैसे दिग्गज कलाकारों से सजी फिल्म 'अजेय' भी शामिल है, जिसका निर्देशन रविंद्र गौतम कर रहे हैं। इसके अलावा सूरज सिंह ने 'एक विलेन', 'रागिनी एमएमएस 2', 'शूटआउट एट वडाला', 'एक थी डायन' और 'द डर्टी पिक्चर' जैसी बड़ी बॉलीवुड फिल्मों में एग्ज़ीक्यूटिव प्रोड्यूसर के तौर पर भी काम किया है। साथ ही 'एम.एस. धोनी: द अनटोल्ड स्टोरी', 'हाफ गर्लफ्रेंड' और 'ए फ्लाइंग जट्ट' जैसी फिल्मों में वह एसोसिएट प्रोड्यूसर रहे हैं।

प्रिंस रत्नपुरी में मनाया गया पोंगल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिल सभ्यता एवं संस्कृति का महान पर्व 'पोंगल' प्रिंस रत्नपुरी गार्डन रेजीडेंसी कोंडितोप मे समस्त प्रवासी परिवार, कामगार एवं सुरक्षा कर्मियों ने एक साथ मिलकर बड़े हर्षोल्लास एवं उमंग के साथ मनाया। इस अवसर पर यशपाल जैन, गौतमन, कार्तिक राजा, संघवी पुखराज पूनमिया, संघवी हीराचंद कांकरिया, कांतिलाल राणावत आदि अनेक लोगों ने सबको पोंगल की बधाई दी। संघवी हीराचंद कांकरिया ने कहा कि हमारी जन्म भूमि भले कोई भी हो लेकिन हमारी कर्म भूमि की संस्कृति एवं सभ्यता के साथ जुड़ाव से हमारी जडे मजबूत होती है। रत्नपुरी परिसर के मुख्य सुरक्षा अधिकारी कार्तिक राजा के नेतृत्व मे आयोजित इस रंगा रंग कार्यक्रम मे अनेक खेल प्रतियोगिता एवं डांस आदि के विजेताओं को परितोषिक देकर सम्मानित किया गया। गाय की पूजा की गई एवं महिलाओं द्वारा मिट्टी के बर्तनों में पोंगल बनाया गया और उसका प्रसाद के रूप में वितरण हुआ।

शनिवार को आचार्य श्रीमदविजय हेमेंद्रसूरीस्वरजी म. सा. समुदाय की पूज्य साध्वीजी मणिप्रभाश्रीजी अपने 41 शिष्य परिवार के साथ प्रिंस परिसर में पहुंचेगी और सुबह उनका आत्मबोधि मार्मिक विषयों पर प्रवचन होगा।

श्रीपुरम स्वर्ण मंदिर पोंगल उत्सव श्रद्धा व भक्ति के साथ संपन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वेल्लोर/चेन्नई। वेल्लोर में श्री शक्ति अम्मा के पावन सान्निध्य में 15 जनवरी को वेल्लोर स्थित श्री नारायणी पीठम के विश्वविख्यात श्रीपुरम स्वर्ण मंदिर में पोंगल पर्व भक्ति एवं उल्लास के साथ मनाया गया।

इस अवसर पर मंदिर परिसर भक्तिरस से सराबोर नजर आया। इसदौरान श्री शक्ति अम्मा ने श्रीपुरम स्वर्ण मंदिर में भगवान सूर्य का दूध से अभिषेक किया तथा उपस्थित श्रद्धालुओं को आशीर्वाद प्रदान किया।

यह दृश्य भक्तों के लिए अत्यंत भावुक एवं आध्यात्मिक अनुभूति से परिपूर्ण रहा। दलपतसिंह भायल ने बताया कि उत्सव में देश-विदेश से आए हजारों श्रद्धालुओं ने भाग लिया और विशेष पूजा-अर्चना व अनुष्ठानों में सम्मिलित होकर पुण्य लाभ अर्जित किया। पूरे परिसर में भजन, मंत्रोच्चार और धार्मिक वातावरण बना रहा। नारायणी पीठम में आयोजित यह पोंगल उत्सव श्रद्धा, सेवा और सनातन परंपराओं का जीवंत उदाहरण बना, जिसे उपस्थित श्रद्धालु लंबे समय तक स्मरणीय अनुभव के रूप में संजोकर ले गए।

नीलेश मितेश द्वारा कोरा ने अपना तीसरा स्टोर खोला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। कोरा – ब्रिज टू लग्जरी नामक भारतीय पुरुष एथनिक वियर ब्रांड ने ग्राहकों की अपार लोकप्रियता के चलते चेन्नई में अपने स्टोर का विस्तार किया है।

नीलेश मितेश द्वारा संचालित 'कोरा', जो पुरुषों के लिए लग्जरी भारतीय एथनिक वियर का एक प्रमुख ब्रांड है, ने तमिलनाडु में अपना तीसरा स्टोर चेन्नई के अन्ना नगर स्थित द्वितीय एवेन्यू में खोलने की घोषणा की है।

नुंगमबक्कम स्टोर के लॉन्च के बाद से चेन्नई के ग्राहकों से मिले अपार प्रेम और समर्थन के कारण ही यह विस्तार संभव हो पाया है। अन्ना नगर स्टोर चेन्नई के ग्राहकों द्वारा दिखाए गए स्नेह के प्रति हार्दिक प्रतिक्रिया का प्रतीक है। नुंगमबक्कम और कोयंबटूर में निलेश मितेश के कोरा ब्रांड की सफलता के बाद, 1,200 वर्ग फुट का यह फ्लैगशिप स्टोर उत्तरी चेन्नई के निवासियों के लिए कोरा का संपूर्ण अनुभव लेकर आया है, जो आधुनिक भारतीय पुरुष के लिए तैयार किए गए शानदार एथनिक परिधानों तक अद्वितीय पहुंच प्रदान करता है।

भगवान महावीर सेवा समिति का 400 वां मानव सेवा कार्यक्रम कल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

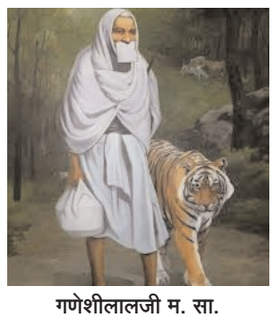
गणेशीलालजी म. सा.

चेन्नई। यहां श्री एस एस जैन संघ माम्बलम-टी.नगर के तत्वावधान में एवं स्थानक में विराजित श्री वीरेन्द्रमुनिजी म. सा. के सान्निध्य में 18 जनवरी कोकर्नाटक गज केसरी खद्दरधारी श्री गणेशलालजी म. सा. की पुण्यतिथि तप त्याग व 2-2 सामायिक दिवस के रूप में हर्षोल्लास के साथ समारोह पूर्वक मनाई जायेगी।

कार्यक्रम के तहत सुबह 7.30बजे से 8 बजे सामूहिक प्रार्थना व जाप, 8 बजे से 9 बजे गुणानुवाद सभा, 9 बजे से 9.30 बजे भगवान महावीर सेवा समिति का 400 वा मानव सेवा कार्यक्रम भी आयोजित किया जायेगा। कार्यक्रम में सुभाषचंद रांका व विमलचन्द धारीवाल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होंगे। संस्थापक डॉ. एम उत्तमचन्द गोठी ने बताया कि भगवान महावीर सेवा समिति की स्थापना वर्ष 1995 में एक प्रवचन से प्रभावित होकर की गई थी। पिछले 31 वर्षों से हर अमावस्या को मानव सेवा, साधर्मिक सेवा, मेडिकल कैम्प व अन्नदान- महादान के परोपकारी कार्य अनवरत जारी है। आगामी रविवार को सेवा समिति का 400 वा कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

'धार्मिक-आध्यात्मिक विकास का प्रथम सोपान है मूर्ति रूप भगवान की पूजा'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के राजाजीनगर में धर्मीचन्द प्रकाशकुमार कुंकुलोल परिवार द्वारा आयोजित त्रिदिवसीय अर्हत महापूजन के अंतर्गत साध्वी भव्यगुणाश्रीजी व शीतलगुणाश्रीजी ने कहा कि मंदिर और मूर्तिमंत भगवान श्रद्धा, भक्ति, आत्मविश्वास और उपासना के श्रेष्ठ माध्यम हैं। मूर्ति के रूप में भगवान की पूजा मनुष्य के धार्मिक, आध्यात्मिक विकास का प्रथम सोपान है। जैसे माता-पिता से जीवन की शुरुआत होती है, वैसे ही मूर्तिमंत भगवान के दर्शन-पूजन से हर सामान्य जीवन का धार्मिक, आध्यात्मिक विकास प्रारंभ होता है। मूर्तिपूजा का इतिहास बहुत प्राचीन एवं प्रेरणादायी है। साक्षात जीवंत परमात्मा को पाकर जितनी आत्माएं भव से पार उतरती हैं, उनसे अनेक गुणा अधिक आत्माएं मूर्तिमंत भगवान की साधना-आराधना करते हुए संसार से पार उतर जाती हैं।

इस अर्थ में मूर्तियां और उनके पूजन-अनुष्ठान किसी चमत्कार से कम नहीं हैं। किसी धार्मिक प्रतीक के बिना कोई धर्म या मान्यता गति नहीं कर सकती।

पारस भंसाली ने बताया कि साध्वीवृंद के सान्निध्य में पंचान्हिका महोत्सव धूमधाम से चल रहा है। संगीतकार नरेन्द्र वाणीगोता ने भजनों की प्रस्तुति दी।

कर्नाटक जैन कॉन्फ्रेन्स की साधारण सभा में आगामी कार्यक्रों की बनी रूपरेखा

मुमुक्षु लवेश सिंघवी का हुआ सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। ऑल इंडिया श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन कॉन्फ्रेंस कर्नाटक प्रान्त की साधारण सभा पुष्कर आराधना भवन में आयोजित हुई। अध्यक्ष प्रकाश बुरड़ ने सभी सदस्यों का स्वागत करते हुए गतिविधियों की जानकारी दी। महामंत्री नेमीचंद दलाल द्वारा गत वर्ष में संपन्न हुए कार्यक्रमों एवं गतिविधियों पर प्रकाश डाला गया। इस बैठक में विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई तथा समाजहित में अनेक निर्णय लिए गए। बैठक में जीवदया योजना के अंतर्गत कोप्पल गौशाला हेतु 1 लाख 21 हजार की राशि प्रदान करने का निर्णय लिया गया। आगामी 25 जनवरी को संतश्री नरेशमुनिजी के सान्निध्य में होने वाले दीक्षा कार्यक्रम में सभी सदस्यों से सक्रिय सहभागिता का अनुरोध किया गया। आगामी अक्षय तृतीया के मौके पर गणेश बाग में डॉ समकितमुनिजी के सान्निध्य में अक्षय तृतीया पारणा कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। मई माह में समकितमुनिजी के सान्निध्य में पुष्कर आराधना भवन में बाल संस्कार शिविर का आयोजन करने का निर्णय लिया गया। अध्यक्ष प्रकाश बुरड़ ने सभी सदस्यों से इन निर्णयों के पालन करने का निवेदन करते हुए संपन्न हुए विभिन्न कार्यक्रमों की सराहना की।

बैठक में राष्ट्रीय मंत्री कन्हैयालाल सुराणा ने सुझाव दिया कि ज्ञानशाला हेतु प्रान्तीय शाखा मिलकर कार्य करें। युवा अध्यक्ष आशीष भंसाली द्वारा नए सदस्य अभियान तथा क्रिक्रेट प्रतियोगिता आदि की जानकारी दी गई।ङ्कबैठक में वैयावच्च मंत्री प्रकाश बोहरा ने विभिन्न विहार सेवाओं का ब्यौरा दिया। महेन्द्र रांका ने स्थायी कॉन्फ्रेंस कार्यालय की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए चर्चा की। जीवन प्रकाश योजना के अध्यक्ष एवं गुरु ज्येष्ठ पुष्कर सेवा समिति के महामंत्री महावीर मेहता द्वारा मुमुक्षु लवेश सिंघवी की दीक्षा की जानकारी दी गई।

इस मौके पर क्रॉन्फेन्स के पदाधिकारियों व सदस्यों द्वारा मुमुक्षु लवेश सिंघवी का सम्मान किया गया। लवेश सिंघवी ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया अंत में वरिष्ठ उपाध्यक्ष दिनेश पोखरना ने धन्यवाद दिया। इस अवसर पर प्रान्तीय प्रमुख मार्गदर्शक शांतिलाल पोखरना, प्रान्तीय कोषाध्यक्ष पुखराज आंचलिया, उपाध्यक्ष जसवन्त गन्ना, हस्तीमल बाफना, सुरेन्द्र आंचलिया सहित आदि बड़ी संख्या में सदस्य उपस्थित थे।

उड़ान प्रदर्शनी में महिला उद्यमिता, स्वास्थ्य, पर्यावरण एवं सामाजिक चेतना का हुआ संगम

'जीतो' लेडीज़ विंग ने गणेश बाग में किया आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जीतो नार्थ चैप्टर के तत्वावधान में 15 एवं 16 जनवरी को लेडीज़ विंग द्वारा आयोजित दो दिवसीय 'उड़ान बी2सी ट्रेड फेयर-2026' का शुभारंभ गणेश बाग में किया गया। प्रदर्शनी का शुभारंभ राज्यसभा सांसद लहरसिंह, मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित सांसद पी सी मोहन, कर्नाटक के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री दिनेश गुंडूराव, जीतो नार्थ के अध्यक्ष विमल कटारिया, लेडीज़ चेयरपर्सन लक्ष्मी बाफना, मुख्य सचिव रक्षा छाजेड़ सहित जीतो के अन्य पदाधिकारियों व अतिथियों ने किया।ङ्कमुख्य सचिव रक्षा छाजेड़ ने सभी का स्वागत किया तथा अध्यक्ष लक्ष्मी बाफना ने इस प्रदर्शनी की परिकल्पना एवं उद्देश्य पर प्रकाश डाला। 'उड़ान' प्रदर्शनी में 130 से अधिक स्टॉल्स के माध्यम से महिला उद्यमियों द्वारा व्यापार, नवाचार, फैशन, लाइफस्टाइल, हैंडलूम, फूड, हेल्थ एवं सर्विस सेक्टर से जुड़े उत्पादों का प्रदर्शन किया गया। ङ्कमुख्य अतिथि सांसद पी सी मोहन ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन महिलाओं को अपने उत्पादों, प्रतिभा एवं व्यावसायिक क्षमताओं को प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करते हैं, जिससे समाज में सकारात्मक परिवर्तन आता है। विमल कटारिया ने इस प्रदर्शनी को महिला उद्यमिता एवं सेवा का सशक्त मंच बताया। सिरोया ने कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से महिलाओं को अपने व्यवसाय, नवाचार एवं कौशल को व्यापक मंच प्राप्त होता है। मंत्री गुंडूराव ने महिलाओं की आर्थिक उन्नति को परिवार एवं समाज की मजबूती से जोड़ते हुए स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने, नियमित जांच एवं संतुलित जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया। धुनिशन स्कूल ऑफ म्यूजिक की संस्थापिका दीप्ति गौरव ने रचनात्मकता, संस्कार, संगीत एवं जीव-दया को सामाजिक चेतना का सशक्त माध्यम बताया। इस अवसर पर जीतो बेंगलूरु व लेडीज विंग द्वारा अतिथियों का सम्मान किया गया।

सामाजिक दात्यिव पहल के अंतर्गत उड़ान प्रदर्शनी में संतोष हॉस्पिटल के सहयोग से स्वास्थ्य जांच शिविर व मेड स्क्रीनिंग शिविर का आयोजन किया गया तथा पर्यावरण जागरूकता के लिए माई बैग-माई स्टाइल अभियान के माध्यम से पर्यावरण पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। इस अवसर पर एसोसिएट प्रायोजक संतोष हॉस्पिटल व पिरगल कन्सलटिंग के प्रतिनिधियों का सम्मान किया गया। प्रदर्शनी में लेडीज उपाध्यक्ष सुमन सिंघवी, सुमन वेदमुथा, मेंटर रेश्मा पुनमिया,मधु कटारिया, सहमंत्री सुमन रांका, पूर्व अध्यक्ष ललिता नागोरी, प्रमिला भंडारी, अनीता पिरगल, पिंकी जैन, बिन्दु रायसोनी एवं साउथ लेडीज विंग की अध्यक्ष बबीता रायसोनी, मंत्री निधि पालरेचा एवं टीम की उपस्थिति थी। संयोजिका बिन्दु नाहर व सह संयोजिका सारिका जैन एवं उनकी टीम ने व्यवस्था संभाली।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.